ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 350 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
25 जून 2026
गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

वेनेजुएला में दो भूकंप से भारी तबाही

10 हजार के मरने की आशंका

» एक मिनट में कई शहर तबाह » 7.2 और 7.5 तीव्रता के झटकों से इमारतें गिरीं

कराकस, एजेंसी

वेनेजुएला में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.34 बजे 7.2 और 6.35 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार सुबह के 3.34 और 3.35 बजे थे।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, 30% आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है।

दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया।

126 साल में सबसे बड़ा भूकंप, देश में इमरजेंसी

वेनेजुएला में यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है, इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। अब तक 32 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 700 से घायल हैं।

पीएम मोदी ने कहा- हम मदद के लिए तैयार

पीएम मोदी ने वेनेजुएला में आए भूकंप पर दुःख जताते हुए कहा कि वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप से हुई तबाही से बहुत दुख हुआ है। भारत के लोगों की तरफ से मैं वेनेजुएला की सरकार और वहां के लोगों के प्रति, और खासकर उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।हम घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करते हैं और इस मुश्किल समय में प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

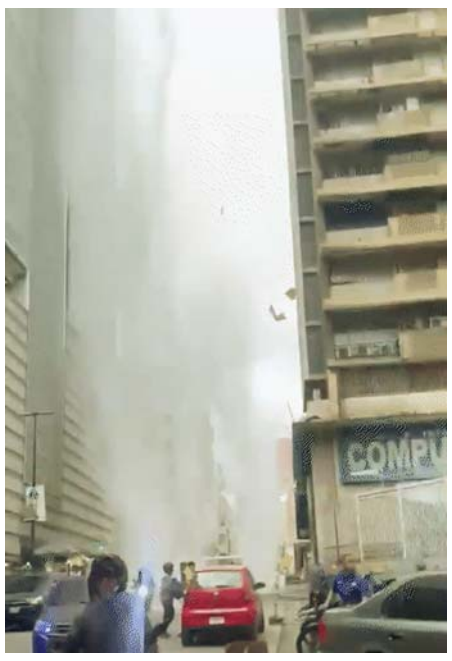

न्यूज विंडो

फोटो खिंचवाने के दौरान डूबे परिवार के 5 लोग, सभी की मौत

मंड्या। कर्नाटक के मंड्या जिले के मलवल्ली तालुक में मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन मुत्तथी के पास कावेरी नदी में एक ही परिवार के पांच सदस्य डूब गए। बताया जा रहा है कि वे तस्वीरें लेने के लिए पानी में घुसे थे। मरने वालों की पहचान चैत्रा, प्रियंका, श्वेता , विजयम्मा और महेश के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि ये सभी लोग चन्नपट्टना के ब्यादरहल्ली के रहने वाले थे। परिवार मशहूर मुत्तथीराया मंदिर के दर्शन के लिए मुत्तथी गया था। पूजा-अर्चना के बाद वे नदी के किनारे गए। हादसा तब हुआ जब वे कावेरी नदी के पानी में उतरे।

खान सर कोचिंग विवाद: अभिषेक और गौरव को मिली जमानत

पटना। चर्चित कोचिंग विवाद मामले में आज अदालत में हुई सुनवाई के दौरान दो आरोपितों को राहत मिल गई। रौशन आनंद के भाई अभिषेक कुमार और कोचिंग कर्मचारी गौरव की नियमित जमानत याचिकाएं मंजूर कर ली गईं। अभिषेक कुमार और गौरव की जमानत याचिकाओं पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उन्हें जमानत देने का आदेश दिया।

डिजिटल अरेस्ट घोटाला : 16 राज्यों में सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई ने आज 16 राज्यों में 80 ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई डिजिटल अरेस्ट स्कैम से जुड़े मामले में की गई है। इस ऑपरेशन के जरिए सीबीआई द्वारा साइबर अपराध के बुनियादी ढांचे पर समन्वित कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले भी सीबीआई डिजिटल अरेस्ट स्कैम से जुड़े मामलों में कई कार्रवाई कर चुकी है।

आज का कार्टून

युवक के सिर में गोली के निशान, युवती के शरीर पर चोट

अशोकनगर: युवक-युवती के खून से सने शव कार में मिले

अशोकनगर, दोपहर मेट्रो

अशोक नगर के ईसागढ़ रोड स्थित महाना गांव के पास एक कार के अंदर युवक और युवती के शव मिले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। कार के अंदर एक पिस्टल भी मिली है। मृतकों की पहचान अशोक नगर निवासी रितिक सोनी (26) और मुस्कान जैन (24) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों बुधवार शाम घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे।

परिजन ने दोनों की तलाश की, जब नहीं मिले तो कोतवाली थाने में सूचना दी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन की

लोकेशन ट्रेस की। लोकेशन ईसागढ़ रोड पर मिलने के बाद पुलिस रात करीब 3 बजे मौके पर पहुंची। वहां सड़क किनारे खड़ी कार में दोनों के शव आगे की सीट पर पड़े मिले। शव खून से लथपथ थे।

संजय ने एसआईटी को सौंपे जमीन घोटाले के सबूत

अयोध्या। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच के लिए बनाई गई विशेष जांच समिति के मुखिया विजय विश्वास पंत के सामने पेश हुए और अयोध्या में जमीनों की खरीद में हुए

घोटालों का सबूत दिया। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या में जमीनों की खरीद में महाघोटाला हुआ है। चार करोड़ की जमीन कुछ ही दिनों के बाद आठ करोड़ में खरीदी गई और इसमें राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से जुड़े लोग शामिल हैं।

2-3 दिन में पूरे प्रदेश को कवर करेगा मानसून

प्रदेश के 46 जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से के 15 जिलों में मानसून की एंट्री हो गई है। छिंदवाड़ा समेत सीमावर्ती जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान अच्छी बारिश और दक्षिण-पश्चिम से नमी वाली मानसूनी हवाओं के आधार पर इसकी आधिकारिक घोषणा की गई।

प्रदेश के बाकी हिस्सों को अगले 2 से 3 दिन में मानसून कवर कर लेगा। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को प्रदेश के 46 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। सीधी में लू चल सकती है, जबकि नीमच, मंदसौर, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, रीवा और सिंगरौली में उमस-भरी गर्मी रहेगी।

कई राज्यों में तेज बारिश, पानी भरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जयपुर/लखनऊ/पटना। देश के 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। यूपी के आगरा में आंधी से सड़क किनारे खड़ी कारों पर पोल गिर गया। दो कारों का पिछला हिस्सा दब गया। राजस्थान के सीकर और चूरू के कई इलाकों में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया, जिससे बाइक-कारें फंस गईं। दिल्ली में तेज आंधी के साथ बारिश हुई, जबकि हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में बादल फटने से काचरंग नाला में बाढ़ आ गई।

ट्रम्प ने संसद से 8 लाख करोड़ की फंडिंग मांगी, बोले- ईरान जंग पर हुए खर्चों की भरपाई के लिए जरूरी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त फंडिंग मंजूर करने की मांग की है। इसका बड़ा हिस्सा ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों के लिए रखा गया है।

व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह रकम पिछले साल मंजूर किए गए करीब 1 ट्रिलियन डॉलर और अगले वित्तीय वर्ष के लिए मांगे गए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट से अलग है। सरकार का कहना है

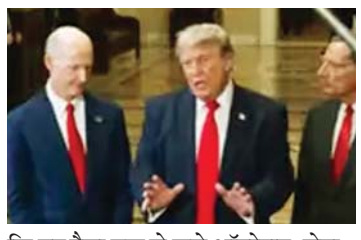

कि यह पैसा युद्ध से जुड़े ऑपरेशन, सेना की तैयारी, हथियारों के भंडार को फिर से भरने और सीक्रेट रक्षा कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा।

वहीं, संसद में इस मांग का विरोध बढ़ रहा है।सीनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर ट्रम्प से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने को कहा। इससे पहले ऐसा ही प्रस्ताव लोअर हाउस भी पास कर चुकी है। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ दिया।

कच्चा तेल 70 डॉलर से नीचे आया

अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 73.50 डॉलर पर पहुंच गया, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार को राहत मिली है।

मेट्रो एंकर इंडिया की इकोनॉमिक मजबूती और सक्रिय विदेश नीति से प्रभावित हुए लोग

ऑस्ट्रेलियाई सर्वे में लोगों को भारत पर सबसे ज्यादा भरोसा

सिडनी/नई दिल्ली, एजेंसी

तेजी से आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे भारत पर इंटरनेशनल लेवल पर विश्वास भी बढ़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित थिंक-टैंक Lowy Institute के सर्वे में भारत को अमेरिका, चीन और रूस जैसे देशों से भी ज्यादा भरोसेमंद बताया गया है।

सर्वे के मुताबिक, 50 फीसदी ऑस्ट्रेलियाई नागरिक भारत पर भरोसा करते हैं। इसके मुकाबले महज 31 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई अमेरिका पर विश्वास जताते हैं। वहीं, चीन पर भरोसा करने वालों की संख्या 28 प्रतिशत और रूस पर विश्वास करने वालों की संख्या सिर्फ 11 फीसदी दर्ज की गई है। सर्वे के रिजल्ट ग्लोबल मंच पर भारत की बढ़ती साख और प्रभाव को दर्शाते हैं।

भारत की लीडरशिप पर 4 फीसदी लोगों को 'बहुत ज्यादा भरोसा'

रिपोर्ट के अनुसार, 46 फीसदी ऑस्ट्रेलियाई नागरिक मानते हैं कि भारत वैश्विक मामलों में जिम्मेदारी के साथ रोल निभाएगा। इसके अलावा, 4 फीसदी लोगों ने भारत की लीडरशिप पर 'बहुत ज्यादा भरोसा' जताया है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि इंडिया को एक जिम्मेदार और भरोसेमंद पार्टनर के तौर पर देखा जा रहा है।

माना जा रहा है कि इंडिया की इकोनॉमिक मजबूती, सक्रिय विदेश नीति, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ते रोल और पीएम मोदी की वैश्विक पहचान ने भारत की विश्वसनीयता को नई ऊंचाई दी है। यही कारण है कि ऑस्ट्रेलिया जैसे अहम साझेदार देश में भी भारत के प्रति विश्वास लगातार मजबूत होता नजर आ रहा है। दूसरी तरफ, अमेरिका-चीन की नीतियों पर लोगों का विश्वास कम हुआ है, जो सर्वे में दिखाई दिया है।

राजधानी में जमकर बरसे बदरा...

भोपाल। दक्षिण-पश्चिम मानसून प्रदेश में एंट्री हो चुकी है। बुधवार शाम से हुई बारिश देर रात तक जारी रही। बारिश से राजधानी का मौसम सुहावना हो गया है और लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली है। मौसम विशेषज्ञ की माने तो मानसून आज को भोपाल पहुंच सकता है।

मानसून बना बाधा... उड़ानों के होल्ड होने की समस्या अभी रहेगी बरकरार

एयरपोर्ट पर पैरेलल टैक्सी-वे का काम पांच महीने तक खिंचा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन समानांतर टैक्सी-वे का काम मानसून के कारण तय समय से चार से पांच माह तक विलंबित हो सकता है। एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा भविष्य के बढ़ते एयर ट्रैफिक को देखते हुए यह महत्वपूर्ण परियोजना शुरू की गई है, जिसके पूरा होने पर उड़ानों के संचालन में काफी सुविधा मिलेगी।

टैक्सी-वे निर्माण के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ने हाल ही में पुराने एप्रन का लगभग 100 मीटर हिस्सा हटाया है। इसी क्षेत्र में नया समानांतर ट्रैक विकसित किया जा रहा है। हालांकि बारिश के मौसम में रनवे और निर्माण क्षेत्र में जलभराव की समस्या के कारण कार्य प्रभावित होने की आशंका है, जिससे परियोजना की समय-सीमा आगे बढ़ सकती है।

एयर ट्रैफिक प्रबंधन होगा आसान

वर्तमान में कई बार रनवे या पार्किंग के व्यस्त होने पर आने वाली उड़ानों को एयरपोर्ट के आसपास होल्डिंग पैटर्न में चक्कर लगाने पड़ते हैं। समानांतर टैक्सी-वे बनने के बाद विमानों को तेजी से रनवे खाली कराने और पार्किंग क्षेत्र तक

पहुंचाने में मदद मिलेगी, जिससे देरी की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

16 विमान एक साथ होंगे पार्क

परियोजना पूरी होने के बाद एयरपोर्ट पर एक साथ 16 विमानों की पार्किंग संभव हो सकेगी। भविष्य में एयर ट्रैफिक बढ़ने के साथ इस क्षमता को और बढ़ाने की योजना है। दिल्ली और मुंबई जैसे व्यस्त एयरपोर्ट की तर्ज पर भोपाल एयरपोर्ट भी अधिक कुशल संचालन की दिशा में आगे बढ़ेगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी के महाप्रबंधक रामजी अवस्थी के अनुसार समानांतर टैक्सी-वे का निर्माण एयरपोर्ट विस्तार योजना का अहम हिस्सा है और इसके पूरा होने से विमान संचालन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा।

राजा भोज एयरपोर्ट पर सुरक्षित टेकऑफ-लैंडिंग के लिए रनवे की नई मार्किंग, आसपास के हिस्सों से हटाया जा रहा कचरा

रनवे और उसके आसपास के हिस्सों से 'फॉरेन ऑब्जेक्ट डेब्रिस' (स्नह्रष्ठ) यानी छोटे-छोटे बाहरी पदार्थों और कचरों को लगातार हटाया जा रहा है। ये विमान के इंजन या ...और पढ़ें

क्व्ह्व ष्द्बह्लद्बक्रुष्श्वस्च

श्वष्ठद्बञ्जश्वष्ठ क्व्ह्व: स्ह्र ॥ह चस्क्र

क्क्चस्ह्वरू॥ ष्ठञ्जश्व: ञ्जञ्ज, 13 छ्वह्र 2026

10:45:14 रू (द्बस्ञ्ज)

क्कष्ठञ्जश्वष्ठ ष्ठञ्जश्व: ञ्जञ्ज, 13 छ्वह्र 2026

10:45:14 रू (द्बस्ञ्ज)

छ्वश्द्बद्व करें

राजा भोज एयरपोर्ट पर सुरक्षित टेकऑफ-लैंडिंग के लिए रनवे की नई मार्किंग, आसपास के हिस्सों से हटाया जा रहा कचरा

50 से 80 हजार यात्रियों पर असर पड़ेगा

ललितपुर में यार्ड रीमॉडलिंग से चालीस ट्रेनें प्रभावित, 11 से 21 जुलाई के बीच बदलेगा रूट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उत्तर मध्य रेलवे के ललितपुर स्टेशन पर यार्ड रीमाडलिंग कार्य के चलते 11 से 21 जुलाई के बीच कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी तो कई ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। वहीं यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कुछ विशेष ट्रेनों के संचालन की भी घोषणा की है।

रेलवे के अनुसार जोधपुर-चेन्नई स्पेशल (04815) 27 जून से 25 जुलाई तक प्रत्येक शनिवार कुल पांच फेरे लगाएगी। संतरागाछी-अजमेर-संतरागाछी स्पेशल (08611) छह जुलाई से 28 सितंबर तक कुल 11 फेरे संचालित होगी। वहीं सोगरिया-धनबाद स्पेशल (09821) प्रत्येक गुरुवार 26 नवंबर तक कुल 20 फेरे लगाएगी।

भोपाल समेत कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित

यार्ड कार्य के कारण भोपाल-खजुराहो (22163) और खजुराहो-भोपाल (22164) 16 से 20 जुलाई तक प्रभावित रहेंगी। इसके अलावा लखनऊ सिटी-एसएमवीटी बेंगलुरु (05074) 11 और 18 जुलाई को तथा एसएमवीटी बेंगलुरु-लखनऊ सिटी (05073) 14 और 21 जुलाई को प्रभावित रहेगी। हुबली-योग नगरी ऋषिकेश (07363) 13 जुलाई और योग नगरी ऋषिकेश-हुबली (07364) 16 जुलाई को प्रभावित रहेगी।

दिल्ली और उत्तर भारत की कई ट्रेनों का मार्ग बदला

रेलवे ने बताया कि 13 से 20 जुलाई के बीच यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन, तिरुपति-जम्मूतवी, जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन, मदुरै-चंडीगढ़, हैदराबाद-हजरत निजामुद्दीन, विशाखापट्टनम-नई दिल्ली, कालका-शिरडी, हरिद्वार-एलटीटी, नई दिल्ली-विशाखापट्टनम, नई दिल्ली-तिरुवनंतपुरम, नई दिल्ली-मैसूर, अमृतसर-बिलासपुर और अमृतसर-नांदेड एक्सप्रेस सहित अनेक ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। कई अन्य एक्सप्रेस ट्रेनें भी वैकल्पिक मार्ग से चलेंगी। इसके अलावा एलटीटी-बरेली, इंदौर-बरेली, चेन्नई-नई दिल्ली, बांद्रा टर्मिनस-कानपुर, एलटीटी-अयोध्या कैंट, दादर-गोरखपुर, दादर-बलिया और अहमदाबाद-सहरसा एक्सप्रेस समेत कई अन्य ट्रेनें भी निर्धारित तिथियों में वैकल्पिक मार्ग से संचालित होंगी। ललितपुर स्टेशन पर यार्ड रीमाडलिंग कार्य के चलते रेलवे ने करीब 40 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इनमें कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा, जबकि कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जाएगा। प्रभावित ट्रेनों में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, अमृतसर और प्रयागराज जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं, लेकिन प्रभावित फेरों और ट्रेनों की क्षमता को देखते हुए 50 हजार से 80 हजार यात्रियों पर इसका असर पड़ने का अनुमान है। यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति अवश्य जांचने की सलाह दी गई है।

निगम का दावा- 184 नालों की सफाई पूरी

एक हजार ट्रिप गाद व कचरा निकाला जलभराव रोकने कंट्रोल रूम भी सक्रिय

21 जोनों में बड़े नालों सहित छोट नालों की सफाई, गहरीकरण और मरम्मत का कार्य पूरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने शहर के 21 जोनों में स्थित 184 बड़े नालों सहित सभी छोटे-बड़े नालों की सफाई, गहरीकरण और मरम्मत का कार्य पूरा करने का दावा किया है।

नगर निगम के अनुसार कैंची छोला, इब्राहिमगंज, नारियलखेड़ा, मिसरोद, अवधपुरी, कोलुआ, अशोका गार्डन, बैरागढ़, बरखेड़ी, समरधा और अन्य क्षेत्रों के नालों की विशेष रूप से सफाई कराई गई है। सफाई अभियान के दौरान करीब एक हजार ट्रिप गाद, मिट्टी और कचरा निकालकर निस्तारित किया गया, जिससे पानी के निर्बाध बहाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। निगम प्रशासन का कहना है कि नालों की सफाई के बाद अब उनकी सतत निगरानी की जा रही है और कहीं भी कचरा या मलबा दिखाई देने पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

ये कार्रवाई निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर कि गई है। निगम का दावा है कि मानसून के दौरान 24 घंटे निगरानी रखने के साथ ही मुख्य आपात नियंत्रण कक्ष और सभी जोन कार्यालयों में कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिए गए हैं। इन तैयारियों के चलते इस वर्ष शहर में जलभराव की स्थिति की संभावना काफी कम होगी और नागरिकों को राहत मिलेगी।

ऑनलाइन व्यवस्था से राहत... दो साल में दिए गए 1.21 लाख नए बिजली कनेक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा शुरू की गई ऑनलाइन कनेक्शन व्यवस्था उपभोक्ताओं के लिए काफी सुविधाजनक साबित हो रही है। जुलाई 2023 में शुरू किए गए 'सरल संयोजन पोर्टल' के माध्यम से भोपाल शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक 1 लाख 21 हजार 619 नए बिजली कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। कंपनी का कहना है कि डिजिटल प्रक्रिया से कनेक्शन लेने की व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक सरल और पारदर्शी बनी है।

अधिकारियों के मुताबिक उपभोक्ता अब घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और निर्धारित शुल्क भी डिजिटल माध्यम से जमा कर सकते हैं। इससे आवेदन प्रक्रिया आसान हुई है और समय की बचत

भी हो रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कारण दस्तावेजों की प्रक्रिया भी अधिक व्यवस्थित हुई है।

तय समय-सीमा में मिल रहा कनेक्शन- बिजली कंपनी का दावा है कि आवेदन मिलने के बाद निर्धारित समय-सीमा में सर्वे सहित अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर उपभोक्ताओं को नया कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया में तेजी आई है और पारदर्शिता भी बढ़ी है। कंपनी के अनुसार उसके संपूर्ण कार्यक्षेत्र में 'सरल संयोजन पोर्टल' के जरिए अब तक 6 लाख 11 हजार से अधिक नए बिजली कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इनमें घरेलू, व्यावसायिक तथा 10 किलोवॉट तक के अस्थायी कनेक्शन भी शामिल हैं। बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि उपभोक्ता ऑनलाइन सेवाओं को तेजी से अपना रहे हैं।

कार्यालयों के चक्कर से मिली राहत: डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद उपभोक्ताओं को बिजली कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता काफी कम हुई है। कंपनी का मानना है कि 'सरल संयोजन पोर्टल' के माध्यम से सेवा वितरण अधिक प्रभावी, सुविधाजनक व उपभोक्ता केंद्रित बना है, जिसका लाभ लगातार बड़ी संख्या में लोग उठा रहे हैं।

आंखों की जांच से मिल सकते हैं अल्जाइमर के शुरुआती संकेत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल के शोधकर्ताओं ने रेटिना (आंखों की परत) और मस्तिष्क संबंधी रोगों के बीच महत्वपूर्ण जैविक संबंधों की पहचान की है। अध्ययन में उम्र से संबंधित मैकुलर डिजनरेशन (एएमडी), अल्जाइमर और पार्किंसंस रोगों में समान न्यूरोइम्यून तंत्र पाए गए हैं।

शोध के अनुसार रेटिना में होने वाले बदलाव मस्तिष्क संबंधी विकारों के शुरुआती संकेतक के रूप में काम कर सकते हैं। इससे अल्जाइमर जैसी बीमारियों की समयपूर्व पहचान और बेहतर उपचार रणनीतियां विकसित करने में मदद मिल सकती है।अध्ययन में यह भी रेखांकित किया गया है कि आंखों और मस्तिष्क के स्वास्थ्य को अलग-अलग देखने के बजाय

एकीकृत चिकित्सा दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। शोधकर्ताओं का मानना है कि आंखों और मस्तिष्क के स्वास्थ्य को एक साथ समझने की दिशा में यह अध्ययन महत्वपूर्ण साबित होगा।एम्स भोपाल के इस शोध को न्यूरोलॉजी और नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, जो उम्र बढ़ने के साथ होने वाली गंभीर बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में नई दिशा दे सकता है।

मेट्रो एंकर

लगातार दूसरे साल भी मिला राष्ट्रीय सम्मान

पासपोर्ट सत्यापन में प्रथम स्थान पर रही मध्यप्रदेश पुलिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पांच लाख से कम पासपोर्ट सत्यापन श्रेणी में मध्यप्रदेश पुलिस प्रथम स्थान पर रहा। विदेश मंत्रालय ने मध्यप्रदेश पुलिस को 'इंस्टीट्यूशनल परफॉर्मेंस अवार्ड' से सम्मानित किया। इस तरह दूसरे साल भी राष्ट्रीय सम्मान मिला। नागरिक सेवाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस के निरंतर प्रयासों को लगातार दूसरे बार भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से वित्तीय वर्ष 2025-26 में पासपोर्ट आवेदनों के पुलिस सत्यापन के प्रदर्शन आधार पर मध्यप्रदेश पुलिस सफल रही है।

विदेश मामलों के मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू भवन, विदेश मंत्रालय में मध्यप्रदेश पुलिस को वर्ष 2025-26 के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया है। उपरोक्त सम्मान मध्यप्रदेश से उप पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था तरूण नायक एवं सहायक पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा सुरक्षा रश्मि मिश्रा ने लिया।

इस उपलब्धि के लिए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने प्रदेश के सभी जिलों, विशेष शाखा, पासपोर्ट सत्यापन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने भविष्य में भी नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बता दें कि मध्यप्रदेश पुलिस ने अप्रैल 25 से मार्च 26 के बीच कुल 3 लाख 35 हजार 647 पासपोर्ट सत्यापन समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण तरीके से किया।

सायबर सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने की जरूरत, सीएम बोले-

हर नागरिक बने डिजिटल रूप से जागरूक, 24 जुलाई तक चलेगा अभियान

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि सायबर अपराध आज के दौर का एक ऐसा अदृश्य खतरा है, जो बिना किसी चेतावनी के लोगों तक पहुंच रहा है। इससे बचने का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता और सावधानी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से सायबर सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हर नागरिक को डिजिटल रूप से जागरूक होना चाहिए। मुख्यमंत्री भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्यव्यापी सायबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0÷ के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह अभियान 24 जून से 8 जुलाई तक प्रदेश के सभी 55 जिलों, 10 संभागों और 50 हजार से अधिक गांवों में चलाया जाएगा। अभियान के माध्यम से लोगों को सायबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, फर्जी प्रोफाइल, ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी धोखाधड़ी, डेटा चोरी, हैकिंग और फर्जी निवेश योजनाओं जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में नागरिकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने सायबर सुरक्षा के तीन प्रमुख सूत्र बताए- जागरूकता, सावधानी और सहभागिता। डॉ. यादव ने लोगों को सलाह दी कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और ओटीपी, बैंक खाते या अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति फोन या ऑनलाइन माध्यम से डराने-धमकाने की कोशिश करे तो ÷रुको, सोचो और फिर एक्शन लो÷ की नीति अपनाएं। उन्होंने कहा कि लालच और जल्दबाजी अक्सर आर्थिक नुकसान का कारण बनती है।

संकटमोचन की भूमिका निभाती है पुलिस

मुख्यमंत्री ने कहा कि सायबर धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने मध्यप्रदेश पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि संकट के समय पुलिस हमेशा संकटमोचक हनुमान की भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश में विभिन्न सायबर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से 33 लाख से अधिक लोगों को जागरूक किया गया था। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सायबर जागरूकता पोस्टर, स्कूली बच्चों के लिए तैयार विशेष बुकलेट और अभियान के आधिकारिक वीडियो का विमोचन किया। साथ ही सायबर जागरूकता रथ को भी रवाना किया गया।

80% शिकायतें वित्तीय धोखाधड़ी से

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि सायबर अपराध अब केवल आर्थिक चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बन गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आने वाली करीब 80 प्रतिशत सायबर शिकायतें वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित होती हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी सिम, म्यूल अकाउंट और डीपफेक जैसे मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है।

बरगी की नहर पर दोबारा किया जा रहा खर्च

पहले लाखों फूंके, अब 26 करोड़ और लगेंगे किसानों का एनवीडीए पर लापरवाही का आरोप

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

बरगी की एक नहर के तट की 80 लाख रुपए में मरम्मत करवाई गई, अब उसी नहर पर दोबारा 26 करोड़ रुपए खर्च कर मरम्मत की जा रही है। बरगी दाई तट नहर का 27 मीटर हिस्सा फरवरी में कट गया था। एनवीडीए ने जल्दबाजी में 70 से 80 लाख रुपए खर्च कर मरम्मत कराई, लेकिन अब उसी क्षतिग्रस्त हिस्से को दुरुस्त करने के लिए 26.47 करोड़ रुपए की नर्रई एक्वाडक्ट परियोजना के तहत दोबारा काम कराया जा रहा है। किसानों का आरोप है कि पहली मरम्मत में गुणवत्ता की अनदेखी की गई और अब भी बिना निगरानी व परीक्षण के निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

बरगी दाई तट नहर का निर्माण वर्ष 2002 में करोड़ों रुपए खर्च कर जबलपुर, कटनी, सतना और रीवा जिलों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए किया गया था। नहर के नियमित रखरखाव की जिम्मेदारी तय होने के बावजूद देखरेख के अभाव में इसका एक हिस्सा फरवरी में टूट गया। खरीफ सीजन को देखते हुए एनवीडीए ने आनन-फानन में 70 से 80 लाख रुपए खर्च कर मरम्मत कराई और कुछ दिनों तक एक लाइन से किसानों को पानी भी उपलब्ध कराया। लाखों रुपए खर्च कर जिस हिस्से की मरम्मत कराई गई थी, उसे जून में दोबारा तोड़ दिया गया। एनवीडीए ने राइट बैंक कैनाल के नर्रई एक्वाडक्ट के मरम्मत और पुनर्वास कार्य के लिए 26.47 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया। परियोजना के तहत ट्रांजिशन स्ट्रक्चर, रिटेनिंग वॉल, क्लोज्ड बैरल, पाइल फाउंडेशन और अन्य आरसीसी संरचनाएं बनाई जा रही हैं। हालांकि किसानों का आरोप है कि निर्माण कार्य बिना पर्याप्त निगरानी, गुणवत्ता परीक्षण और तकनीकी मानकों के कराया जा रहा है, जिससे भविष्य में फिर हादसे की आशंका बनी हुई है।

गुणवत्ता पर उठे सवाल

जानकारों का कहना है कि नर्रई एक्वाडक्ट के मरम्मत कार्य को टर्नकी प्रोजेक्ट के रूप में स्वीकृति देकर इसकी लागत बढ़ा दी गई। आरोप है कि ट्रांजिशन स्ट्रक्चर क्षेत्र में करीब दो मीटर गहराई तक पीसीसी फाउंडेशन का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन कार्य शुरू करने से पहले आवश्यक बेंचमार्क (स्थायी स्तर बिंदु) स्थापित नहीं किए गए। वहीं निर्माण सामग्री और कार्य की गुणवत्ता की निगरानी के लिए गुणवत्ता नियंत्रण इकाई द्वारा नियमित परीक्षण और सत्यापन भी नहीं कराया जा रहा है। तकनीकी विशेषज्ञों के मुताबिक सिंचाई परियोजनाओं में खुदाई की गहराई, संरचनाओं की ऊंचाई और स्तरों के सत्यापन के लिए बेंचमार्क स्थापित करना अनिवार्य होता है। टेंडर दस्तावेजों के अनुसार परियोजना में 168 मीटर लंबी रिटेनिंग वॉल व कैनाल बेड, दो क्लोज्ड बैरल, पाइल फाउंडेशन, स्लोप प्रोटेक्शन और लगभग 850 मीटर लंबी संपर्क सड़क का निर्माण प्रस्तावित है।

गांव के किसानों पर संकट

सगड़ा-छपनी गांव के किसान नारायण सिंह बताते हैं कि बरगी बांध की दाई तट नहर एक हजार से अधिक गांवों के किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख साधन है। चार माह पहले नहर टूटने के बाद विभाग ने करीब 78 लाख रुपए खर्च कर मरम्मत कराई थी, लेकिन जून में 26.47 करोड़ रुपए के नए टेंडर के बाद उसी हिस्से को दोबारा तोड़कर निर्माण शुरू कर दिया गया। जबलपुर के अलावा स्लीमनाबाद, बहोरीबंद, सिहोरा, कुंडम और पनागर क्षेत्र के किसान भी इसी नहर पर निर्भर हैं। ठेकेदार एक माह में नहर चालू करने का दावा कर रहा है, जबकि परियोजना की अवधि 18 माह निर्धारित है। ऐसे में यदि काम लंबा खिंचता है तो एक हजार गांवों के किसानों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।

पहले रबी, अब खरीफ फसल पर संकट

किसान मनीष कुमार उपाध्याय का कहना है कि फरवरी में नहर टूटने से रबी की फसल बर्बाद हो गई थी, लेकिन किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिला। अब नहर की मरम्मत के नाम पर पानी रोके जाने से खरीफ की फसलें भी सूखने लगी हैं। उनका आरोप है कि जिस मरम्मत पर 5 से 10 लाख रुपए खर्च होने चाहिए थे, उस पर पहले 70-80 लाख रुपए खर्च किए गए और अब उसी हिस्से पर 26 करोड़ रुपए की परियोजना चलाई जा रही है।

कंपनी बोली- समय से पहले पूरा करेंगे काम

26.47 करोड़ रुपए की लागत से नहर मरम्मत का काम भोपाल की मेसर्स अलमायटी वेंचर प्रा.लि. को मिला है। कंपनी के सुपरवाइजर नितेश भार्गव के अनुसार 20 दिन से काम चल रहा है। पहले बनाई गई संरचना को तोड़कर नए सिरे से निर्माण किया जा रहा है। बारिश होने तक काम जारी रहेगा, जबकि फिलहाल मरम्मत के लिए बरगी बांध से पानी छोड़ना बंद कर दिया गया है। एनवीडीए के प्रमुख अभियंता डी.एल. वर्मा ने बताया कि 26 करोड़ रुपए में सिर्फ टूटा हिस्सा नहीं, बल्कि अन्य संरचनात्मक कार्य भी शामिल हैं। मरम्मत के बाद दो से तीन साल तक नहर के रखरखाव की जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी और किसी भी कमी को उसे अपने खर्च पर दुरुस्त करना होगा।

नौकरी दिलाने के नाम पर भी करते थे ठगी

भोपाल में अटल आवास से शुरू हुआ फर्जीवाड़ा, रीवा तक फैला प्रमिला का ठगी नेटवर्क

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में अटल आवास योजना में फ्लैट दिलाने के नाम पर ठगी के मामले में गिरफ्तार प्रमिला तिवारी के फर्जीवाड़े का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि प्रमिला और उसके सहयोगियों का नेटवर्क केवल आवास योजना तक सीमित नहीं था, बल्कि सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर भोपाल, रीवा, जबलपुर, बैतूल और सतना के बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपए की ठगी भी की गई। गिरोह कथित तौर पर वन विभाग, रेलवे, एसबीआई, पीडब्ल्यूडी, एम्स और नगर निगम जैसे विभागों के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार कर युवाओं को नौकरी का झांसा देता था।

जांच में सामने आया है कि भोपाल के नवीन सौंधिया को वन विभाग का फर्जी नियुक्ति पत्र देकर 1997 बैच का आईएफएस अधिकारी और मुख्य वन संरक्षक दर्शाया गया, जबकि राजीव विश्वकर्मा को एसबीआई में क्लर्क की नौकरी का भरोसा दिलाया गया। रीवा निवासी राकेश दुबे की बेटी से पांच लाख रुपए लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री के हस्ताक्षर वाला कथित नियुक्ति पत्र सौंपा गया। वहीं जबलपुर के हिमांशु और प्रियांशु, बैतूल की राधा तथा सतना के रविशंकर शर्मा को भी अलग-अलग विभागों में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी दस्तावेज दिए गए। पुलिस के मुताबिक गिरोह युवाओं का भरोसा जीतने के लिए सरकारी दफ्तरों के बाहर मुलाकात करता था। वहां पहले से मौजूद लोग खुद को नौकरी लग चुका कर्मचारी बताकर विश्वास दिलाते थे। करोंद निवासी राहुल विश्वकर्मा और नवीन सौंधिया से नगर निगम में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए लिए गए और उन्हें डेढ़ महीने तक सर्वे कार्य भी कराया गया ताकि पूरी प्रक्रिया असली लगे।

यह है पूरा पूरा मामला

भोपाल की प्रवीण उर्फ प्रमिला तिवारी को टीटीनगर पुलिस ने 18 जून को जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया था। मामला अटल आवास योजना के नाम पर फ्लैट दिलाने के झांसे से जुड़ा है। कोटरा सुल्तानाबाद निवासी प्रतीक सोनी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि प्रमिला ने टीटीनगर स्थित अटल आवास योजना में 22 लाख रुपये का फ्लैट दिलाने का वादा किया। भरोसा जीतने के बाद उसने अग्रिम राशि के रूप में 1.80 लाख रुपये ले लिए और भुगतान के बदले रसीदें व दस्तावेज भी दिए। बाद में जांच में ये रसीदें और कागजात संदिग्ध व फर्जी पाए गए। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की। जांच के दौरान धोखाधड़ी के पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर टीटीनगर पुलिस ने प्रमिला को गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा का तीखा हमला

भाजपा ने मंदिरों को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाया, पीएम मोदी को धर्म का ज्ञान नहीं, ये असली मोनी बाबा हैं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि भाजपा ने पुजारियों के साथ मिलकर हर मंदिर को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है। उन्होंने कहा कि चंपत राय जिस दिन पैदा हुए होंगे, उस दिन किसी पंडित ने उनकी कुंडली देखकर कहा होगा कि यह व्यक्ति कोई बड़ा चमत्कार जरूर करेगा। इसलिए करोड़ों-अरबों रुपए की राशि लेकर वे 'चंपत' हो गए। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि राम मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम में चारों शंकराचार्यों को नहीं बुलाया गया, जबकि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी को धर्म का थोड़ा भी ज्ञान नहीं है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में बड़े-बड़े घोटाले चर्चा में हैं, लेकिन इन मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी का एक शब्द भी नहीं निकलता। इससे अच्छे तो मनमोहन सिंह थे। नरेंद्र मोदी असली 'मोनी बाबा' हैं और चोरों के सरताज बने बैठे हैं। ये सभी बातें कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं।

राम मंदिर चंदा चोरी की सीबीआई जांच हो

कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कथावाचक ऋचा गोस्वामी ने कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के समय कांग्रेस की सरकार होती, तो वही राम मंदिर का निर्माण कराती। उन्होंने कहा कि 2024 में राम मंदिर बना और 2026 में मंदिर के दान से जुड़े 5 हजार करोड़ रुपए की कथित चोरी का मामला सामने आया। गोस्वामी ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की।

मप्र जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

भोपाल। प्रदेश में जल संरक्षण को एक जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से शुरू किए गए ऐतिहासिक जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 का 25 जून से 30 जून 2026 की अवधि में प्रदेश में समारोहपूर्वक समापन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में वर्ष प्रतिपदा (19 मार्च 2026) को प्रारंभ हुए इस अभियान के तहत प्रदेश में जल संरक्षण और संवर्धन के अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। इस व्यापक जन-आंदोलन के दौरान ग्रामीण, नगरीय, वन, सिंचाई, शिक्षा और औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 10,514 करोड़ रुपये की लागत से 3.62 लाख से अधिक कार्यों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में एक महीने में 8 बाघों की मौत का मामला

हाईकोर्ट ने सरकार से मांगी स्टेटस रिपोर्ट संयुक्त एक्शन प्लान बनाने के दिए निर्देश

इंदौर, दोपहर मेट्रो

कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघों की लगातार हो रही मौतों ने हाई कोर्ट को चिंतित कर दिया है। एक माह के भीतर आठ बाघों की मौत कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) से होने को गंभीर मानते हुए अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार को संयुक्त रूप से प्रभावी रोकथाम एवं उपचारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने रिजर्व क्षेत्र में संक्रमण के संभावित स्रोत माने जा रहे कुत्तों को क्वारंटीन करने सहित उठाए जा रहे कदमों का ब्योरा भी तलब किया है।

प्रशासनिक न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की युगलपीठ ने मुंबई निवासी अधिवक्ता सुब्रत चक्रवर्ती की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि बाघों की सुरक्षा से जुड़े वैधानिक और प्रशासनिक प्रोटोकाल का अक्षरशः पालन होना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र व राज्य के संबंधित विभाग को निर्देशों के अनुपालन पर विस्तृत स्टेट्स रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश देते हुए अगली सुनवाई नौ जुलाई निर्धारित की है। याचिका के अनुसार अप्रैल और मई 2026 के दौरान बाघिन टी-122 (सुनैना), बाघिन टी-141 (अमाही), उसके चार अर्धवयस्क शावकों और युवा नर बाघ टी-220 (महावीर) की मौत हुई। इसी अवधि में दो अन्य वयस्क नर बाघ भी मृत पाए गए। याचिकाकर्ता का कहना है कि इन घटनाओं ने कान्हा में रोग निगरानी और जैव-सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

बुरहानपुर के केले को मिला जीआई टैग, किसानों के लिए खुशखबरी

भोपाल। मिठास और गुणवत्ता के लिए मशहूर बुरहानपुर के केले (बुरहानपुर केला) को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला है। यह उपलब्धि यहां के हजारों केला किसानों के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। इस जीआई टैग के लिए जनवरी 2024 में खकनार कृषि विकास फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने आवेदन किया था। बुरहानपुर को मध्य प्रदेश में सबसे अधिक केला उत्पादन करने वाला जिला माना जाता है। यही नहीं, यहां प्रदेश की एकमात्र केला मंडी भी स्थित है, जिससे यह क्षेत्र लंबे समय से केले के कारोबार का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

जिले में फैले हजारों बागान हर साल बड़ी मात्रा में केले का उत्पादन करते हैं। यहां के केले अपनी खास मिठास, स्वाद और गुणवत्ता के कारण पूरे देश में लोकप्रिय हैं। खासकर उत्तर भारत में इनकी मांग काफी अधिक रहती है। इसके अलावा खाड़ी देशों (गल्फ कंट्रीज) में भी बुरहानपुर के केले की लगातार मांग बनी हुई है।

अब जीआई टैग मिलने के बाद बुरहानपुर के केले को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान मिलेगी। इससे उत्पाद की ब्रांड वैल्यू बढ़ेगी और किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलने की संभावना है।

मेट्रो एंकर — अदालतों में चलेंगी ईंधन बचत की मुहिम

अब कम दौड़ेंगी गाड़ियां, वकीलों से वर्चुअल पैरवी करने की अपील

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की न्यायपालिका का ताजा हरित संदेश सराहनीय है। सरकारी वाहनों के उपयोग पर अनुशासन की लगाम कसते हुए वकीलों से वर्चुअल पैरवी की अपील की गई है। रोजाना ईंधन खपत की निगरानी वाकई अच्छा कदम है। दरअसल, न्यायालयों के गलियारों में प्रायः संविधान, कानून और न्याय की गूंज सुनाई देती है, लेकिन इस बार मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक ऐसे विषय को केंद्र में रखा है जो सीधे राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा और संसाधन संरक्षण से जुड़ा है।

अदालत ने अपने प्रशासनिक अधिकारों का उपयोग करते हुए एक ऐसा संदेश दिया है, जो न्यायपालिका की चौहद्दी से निकलकर व्यापक सामाजिक जिम्मेदारी का रूप ले सकता है, ईंधन बचाइए, संसाधनों का सम्मान कीजिए। हाई कोर्ट कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति विवेक रूसिया के आदेश पर जारी नई एडवाइजरी में हाई कोर्ट की मुख्य पीठ जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर खंडपीठों के साथ प्रदेश की सभी जिला अदालतों को ईंधन संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने को कहा गया है। यह पहल केवल खर्च कम करने की कवायद नहीं, बल्कि बदलते समय के अनुरूप न्यायिक व्यवस्था को अधिक जिम्मेदार और तकनीक-सक्षम बनाने का प्रयास भी है।

कार-पूलिंग से हरित सोच तक

अधिवक्ताओं, न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों से कार-पूलिंग, टू-व्हीलर पूलिंग तथा सार्वजनिक परिवहन का अधिकाधिक उपयोग करने का अनुरोध किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर साझा परिवहन सुविधाएं विकसित करने का भी सुझाव दिया गया है। यह केवल एक प्रशासनिक निर्देश नहीं, बल्कि न्यायपालिका की ओर से दिया गया एक हरित संदेश है कि राष्ट्रीय संसाधनों की रक्षा केवल सरकार का नहीं, प्रत्येक संस्थान और नागरिक का दायित्व है। हाईकोर्ट ने वाहनों के उपयोग और ईंधन खपत की दैनिक मानिटरिंग के निर्देश दिए हैं। समय-समय पर समीक्षा कर यह भी देखा जाएगा कि व्यवस्था अपने उद्देश्य को कितना पूरा कर रही है।

नई व्यवस्था के तहत सरकारी वाहनों का उपयोग अब अधिक अनुशासित और आवश्यकता-आधारित होगा। अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निवास क्षेत्रों के अनुसार रूट निर्धारित किए जाएंगे और वाहनों की अधिकतम क्षमता का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। व्यक्तिगत वाहन सुविधा केवल सुरक्षा, प्रोटोकाल, चिकित्सा अथवा अन्य विशेष परिस्थितियों तक सीमित रहेगी। यह व्यवस्था बताती है कि अदालतें अब संसाधनों के उपयोग को भी प्रशासनिक दक्षता के पैमाने पर कसना चाहती हैं। गाइडलाइन का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष अधिवक्ताओं से जुड़ा है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट आग्रह किया है कि जहां भी संभव हो, मामलों की सुनवाई और पैरवी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाए। संदेश यह है कि न्याय तक पहुंच का रास्ता हमेशा सड़कों से होकर ही नहीं गुजरता, कभी-कभी वह डिजिटल स्क्रीन पर भी उतनी ही प्रभावी ढंग से तय किया जा सकता है।

युद्ध और शांति

इतिहास अक्सर अपने आपको दोहराता नहीं, लेकिन उसकी गूंज समय-समय पर सुनाई जरूर देती है। दुनिया के बड़े समझौते और बड़े युद्ध हमें बार-बार यह याद दिलाते हैं कि कागज पर लिखी गई शांति और जमीन पर मौजूद वास्तविकता हमेशा एक जैसी नहीं होती। कई बार सबसे भव्य सभागारों में किए गए समझौते भी उन भावनाओं, महत्वाकांक्षाओं और अविश्वास को नियंत्रित नहीं कर पाते, जो संघर्षों को जन्म देते हैं। हाल के घटनाक्रम यही संकेत देते हैं कि आधुनिक कूटनीति का सबसे बड़ा संकट समझौते पर हस्ताक्षर करवाना नहीं, बल्कि उस समझौते के पीछे मौजूद राजनीतिक इच्छाशक्ति को जीवित रखना है। जब किसी संघर्ष में शामिल पक्षों के लक्ष्य अलगअलग हों, उनके सहयोगियों की प्राथमिकताएं भिन्न हों और घरेलू राजनीति लगातार दबाव बना रही हो, तब शांति का हर दस्तावेज एक नाजुक पुल की तरह बन जाता है, जो दोनों किनारों को जोड़ तो देता है, लेकिन किसी भी समय टूट भी सकता है। पश्चिम एशिया की राजनीति इसी जटिलता का प्रतीक है। यहां युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, बल्कि विचारधाराओं, प्रभाव क्षेत्रों और रणनीतिक हितों के बीच भी संघर्ष चलता रहता है। एक पक्ष सुरक्षा चाहता है, दूसरा प्रभाव बनाए रखना चाहता है और तीसरा क्षेत्रीय संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ना चाहता है। ऐसे माहौल में शांति केवल सैन्य गतिविधियों को रोकने का नाम नहीं है; यह भरोसे के निर्माण की लंबी और कठिन प्रक्रिया है। इस पूरे परिदृश्य में एक और महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आता है-आर्थिक और सामरिक शक्ति का बदलता स्वरूप। आज किसी देश की ताकत केवल उसकी सेना से नहीं मापी जाती। ऊर्जा मार्गों, समुद्री रास्तों, व्यापारिक नेटवर्क और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर प्रभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। यही कारण है कि समुद्र के एक संकरे मार्ग पर नियंत्रण कभी-कभी युद्धपोतों के पूरे बेड़े से अधिक प्रभावशाली साबित हो सकता है। लेकिन शांति की सबसे बड़ी चुनौती बाहरी नहीं, आंतरिक होती है। किसी भी देश में जब राजनीतिक नेतृत्व को अपने समर्थकों, गठबंधनों और वैचारिक समूहों के विरोध का सामना करना पड़ता है, तब समझौते का हर कदम विवाद का विषय बन जाता है। ऐसे में कूटनीति का मैदान युद्धक्षेत्र से कम कठिन नहीं होता।

क्या भारतीय महिलाओं की पहचान सोनम मुस्कान और सिया बनेंगी?

मनोज कुमार अग्रवाल
वरिष्ठ पत्रकार

करीब दो साल पहले हनीमून ट्रिप पर अपने पति राजा रघुवंशी को अपने प्रेमी के साथ मिल कर मौत के घाट उतारने वाली सोनम की तर्ज पर ही अब पुणे की एक युवती ने अपने आशिक के साथ मिलकर अपने अरबपति बिजनेसमैन मंगेतर को पहाड़ी से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद मामले की सघन जांच कर युवती सिया गोयल और उसके आशिक प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

यह वारदात समाज में पनप रहे लव अफेयर्स और प्रेमी को पाने के लिए हिंसा की ओर प्रवृत होती युवा पीढ़ी का अनावरण करती है वहीं दूसरी ओर इश्क के जुनून में बेगुनाह मंगेतर और पति के कत्ल से भी गुरेज नहीं करने वाली कथित एलीट एजुकेटेड बिंदास लड़कियों के व्यवहार में हो रहे बर्बरता भरे हिंसक व्यवहार का भी खुलासा करती है। सावधान यदि आप किसी लड़की के रंगरूप आकर्षक शरीर सौष्ठव भोले चेहरे को देख कर अपना जीवन साथी बना रहे हैं तो पहले उसके बीते और वर्तमान दिनचर्या की ढंग से पड़ताल कर लें अन्यथा इंदौर के राजा रघुवंशी और पुणे के केतन अग्रवाल की तरह अपनी मंगेतर सिया या सोनम के हाथों जान गंवा सकते हैं। पहले ये सब फिल्मी परदे या ओटीटी चैनल पर देखने को मिलता था लेकिन अब आए दिन कथित माडर्न लिबरल गर्ल्स से लेकर अनपढ़ गंवार समझी जाने वाली ग्रामीण युवतियां भी अपने प्रेमियों के हाथों पति का नृशंस कत्ल करा कर फर्जी कहानियां गढ़ कर मगरमच्छी आंसू बहा देती है। बाद में पुलिस इन वारदातों का अनावरण कर ऐसा सच सामने लाती है कि कलेजा कांप जाता है। महाराष्ट्र के पुणे से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। पुणे के एक नामी रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर केतन विशाल अग्रवाल के हत्या के मामले में अब जैसे-जैसे खुलासे सामने आ रहे हैं, वैसे-वैसे ये मामला और बड़ा और भयावह बनता जा रहा हैशुरुआत से बात करें तो केतन की मौत लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से हुई और इसे पहले महज एक हादसा समझा जा रहा था, लेकिन अब जब सच सामने आया तब यह हत्या का मामला बन गया है। मामले में पुलिस ने केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही दोनों आरोपियों को सात दिन की पुलिस हिरासत भेजा गया है।

बता दें कि केतन और सिया की सगाई इसी साल फरवरी में हुई थी और नवंबर में राजस्थान के एक महल में उनकी शाही शादी होने वाली थी। दोनों 6 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए इंडोनेशिया के बाली जाने वाले थे। खबरों के मुताबिक दोनों परिवारों ने राजस्थान में शादी के लिए 17 करोड़ रुपये में एक महल बुक किया था और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए दो प्राइवेट प्लेन का भी इंतजाम किया गया था। बाली जाने के लिए जब वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे, तो बाकी सबके पासपोर्ट सुरक्षित थे, लेकिन सिर्फ केतन का पासपोर्ट गायब था। यह सिया गोयल की जानबूझकर साजिश थी ताकि पासपोर्ट न होने के कारण केतन बाली नहीं जा सका और उसे एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा। पिता का आरोप है कि यह पूरी तरह सोची-समझी साजिश थी ताकि ट्रिप कैंसिल हो जाए।जानकारी के अनुसार बाली ट्रिप कैंसिल होने के बाद सिया ने एक नया प्लान बनाया। 19 जून को सिया का जन्मदिन था। केतन के पिता के मुताबिक, सिया ने जिद की और झगड़ा करके केतन को 18 जून को ही प्री-बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए पुणे के पास लोहगढ़ किले चलने के लिए राजी कर लिया। इसके बाद केतन 18 जून की सुबह 8:20 बजे घर से निकला। करीब ढाई घंटे बाद, सुबह 10:45 बजे सिया की मां का फोन केतन के परिवार के पास आया कि केतन लोहगढ़ किले की घाटी में गिर गया है। सिया ने पुलिस को बताया कि तेज हवाओं के कारण पैर फिसलने से केतन 400 फीट गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने भी शुरुआत में इसे एक दर्दनाक हादसा मानकर केस दर्ज किया था। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने बताया कि जब पुलिस केतन का शव लेकर आई, तो सिया के बर्ताव ने सबको चौंका दिया। उन्होंने बताया कि जब किसी महिला के मंगेतर या पति की मौत होती है, तो वह टूट जाती है। लेकिन सिया के चेहरे या व्यवहार में दुख का कोई नामोनिशान नहीं था। वह बिल्कुल सामान्य दिख रही थी। यही पहली बात थी जिसने हमें झकझोर दिया, लेकिन उस वक्त अस्पताल भागने की जल्दी में हमने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में एक बड़े कारोबारी के बेटे केतन अग्रवाल की लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से मौत हो गई, जिसे पहले हादसा समझा गया था लेकिन बाद में हत्या निकली। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर उसे मारकर खाई में धकेला था, दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आपको बता दें इसी तर्ज पर एक साल पहले इंदौर के 29 वर्षीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की उसकी नवविवाहिता पत्नी सोनम ने अपने दोस्तों की मदद से हत्या की थी राजा रघुवंशी की शादी 11 मई 2025 को 25 वर्षीय सोनम रघुवंशी से हुई थी। शादी के बाद दोनों 20 मई 2025 को हनीमून के लिए मेघालय के शिलांग गए थे। 23 मई 2025 को चेरापुंजी (सोहरा) के पास एक होमस्टे से निकलने के बाद राजा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। शुरुआत में इसे सामान्य गुमशुदगी या लूटपाट का मामला दिखाने की कोशिश की गई।

सवाल उठता है कि भारतीय समाज किधर जा रहा है। भारतीय समाज में एक आदर्श महिला का चरित्र पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक प्रगति का एक अनूठा संगम है। इसे मुख्य रूप से त्याग, सहनशीलता, संस्कार, पारिवारिक एकजुटता, और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। क्या भारतीय महिलाओं की पहचान अब सीता गार्गी कुन्ती तारा शबरी मंदोदरी द्रोपदी मैत्रेयी मदालसा देवहूति अरूंधती से न होकर सोनम मुस्कान और सिया गोयल जैसी पथभ्रष्ट युवतियों से होगी?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रतिभा केंद्र और उज्जवल भविष्य की नई शक्ति

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

इक्कीसवीं सदी में यदि किसी देश ने अपनी प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को प्रभावित किया है तो वह भारत है। कभी ऐसा समय था जब देश के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक इंजीनियर शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ बेहतर अवसरों की तलाश में विदेशों की ओर जाते थे। उस दौर में इसे ब्रेन ड्रेन कहा जाता था और चिंता जताई जाती थी कि देश की सबसे मूल्यवान संपत्ति विदेशों की प्रगति में योगदान दे रही है। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। भारत अब केवल प्रतिभा देने वाला देश नहीं रहा बल्कि प्रतिभाओं को वापस आकर्षित करने वाला विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

आज दुनिया के विकसित देशों में भारतीय प्रतिभा की धाक है। अमेरिका ब्रिटेन कनाडा ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों की बड़ी कंपनियों में भारतीय पेशेवर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विज्ञान इंजीनियरिंग चिकित्सा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब कहा जा रहा है। हाल के वर्षों में एक नई और उत्साहजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर विदेशों से वापस अपने देश लौट रहे हैं। वे केवल नौकरी करने नहीं आ रहे बल्कि भारत में अवसरों का नया संसार खड़ा कर रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में एक लाख बत्तीस हजार से अधिक उच्च कौशल वाले भारतीय पेशेवर अपने देश लौटे। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल सपनों का देश नहीं बल्कि सपनों को साकार करने का सबसे उपयुक्त स्थान बनता जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लौटने वाले भारतीय युवा उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो भविष्य की दिशा तय करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता डीप टेक सेमीकंडक्टर एयरोस्पेस क्लाइमेट टेक और उन्नत अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञ नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। वे रिसर्च लैब बना रहे हैं नई तकनीक विकसित कर रहे हैं और दुनिया की चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं। यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी पुनर्जागरण का संकेत है। दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञों की संख्या सीमित है लेकिन उनमें भारतीयों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत एआई प्रतिभा उपलब्ध कराने वाले देशों में सबसे आगे है। भारतीय इंजीनियर और वैज्ञानिक वैश्विक तकनीकी विकास की रीढ़ बन चुके हैं। आज दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां भारतीय प्रतिभा के बिना अपनी कल्पना भी नहीं कर सकतीं। यह स्थिति भारत की शिक्षा व्यवस्था मेहनतकश युवाओं और ज्ञान आधारित संस्कृति की सफलता को दर्शाती है। भारत की बढ़ती ताकत का एक कारण उसका विशाल युवा वर्ग भी है। देश की बड़ी आबादी युवा है और यह युवा वर्ग नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है। भारतीय युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहते बल्कि वे रोजगार देने वाले बनना चाहते हैं। स्टार्टअप संस्कृति ने इस सोच को नई दिशा दी है। देश में दो लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप सक्रिय हैं और इनमें से अनेक वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारत में नवाचार और उद्यमिता का वातावरण तेजी से मजबूत हो रहा है।

विदेशों से लौट रहे पेशेवरों के पीछे केवल भावनात्मक कारण ही नहीं हैं बल्कि भारत में उपलब्ध अवसर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित देशों में आर्थिक मंदी और बदलती आव्रजन नीतियों ने भी लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। दूसरी ओर भारत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मजबूत डिजिटल ढांचा और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियां प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं। अब भारतीय विशेषज्ञों को लगता है कि वे अपने देश में रहकर भी विश्व स्तरीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

भारत सरकार ने भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं। विदेशों से लौटने वाले शीर्ष वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को आकर्षक शोध अनुदान और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सस्ती सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे युवा शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स को अत्यधिक लाभ मिल रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं ताकि भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रतिभा और अवसर का संगम तेजी से मजबूत हो रहा है। पहले प्रतिभा थी लेकिन अवसर सीमित थे। अब अवसर भी बढ़ रहे हैं और संसाधन भी उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली भारतीय अब यह नहीं पूछते कि भारत क्यों लौटें बल्कि वे यह सोचते हैं कि अपने भविष्य का निर्माण किसी दूसरे देश में क्यों करें। यह सोच भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और गर्व का प्रतीक है। भारतीय प्रतिभा केवल आर्थिक विकास में योगदान नहीं दे रही बल्कि देश की वैश्विक प्रतिष्ठा भी बढ़ा रही है। जब कोई भारतीय वैज्ञानिक नई खोज करता है जब कोई भारतीय उद्यमी वैश्विक कंपनी खड़ी करता है या जब कोई भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है तब पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ता है। आज भारत ज्ञान विज्ञान और नवाचार की शक्ति के रूप में पहचाना जा रहा है।

भारत का यह परिवर्तन केवल आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास की कहानी है। यह उस नए भारत की कहानी है जो ज्ञान को शक्ति मानता है प्रतिभा को सम्मान देता है और अपने युवाओं को दुनिया बदलने का अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि आज भारत गर्व के साथ विश्व के सबसे बड़े प्रतिभा केंद्र के रूप में खड़ा है और आने वाला समय उसकी उपलब्धियों को और अधिक गौरवशाली बनाने वाला है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

रात में बार-बार नींद टूटना..दिमाग को ऑक्सीजन मिलने में दिक्कत का संकेत

रात में नींद बार-बार खुलती है तो यह स्लीप एपनिया का संकेत भी हो सकता है। इस वजह से लोगों को दिन भर थकान और नींद पूरी न होने जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है। स्लीप एपनिया के लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह धीरे-धीरे ब्रेन के टिश्यू को डैमेज करने का कारण बन सकते हैं।

कुछ लोगों को सोते समय खर्राटे आने की समस्या होती है। हालांकि, खर्राटे आना या बार-बार नींद खुलना हर बार किसी बड़ी समस्या का संकेत नहीं होता है। लेकिन, यदि सोते में सांस रुकने की वजह से आपकी नींद बार-बार खुलती है तो यह स्लीप एपनिया नामक बीमारी की ओर संकेत करता है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया नींद से जुड़ी एक आम समस्या है, जिसमें सोते समय ऊपरी श्वसन मार्ग में बार-बार आंशिक या पूरी तरह से रुकावट आती है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया आपके दिमाग पर मुख्य रूप से ऑक्सीजन का स्तर बार-बार कम होने (जिसे 'इंटरमिटेंट हाइपोक्सिया' कहते हैं) के जरिए असर डालता है। इस दौरान, हवा का बहाव रुक जाता है या बहुत कम हो जाता है, जिससे खून में ऑक्सीजन का स्तर गिर जाता है। ठीक से काम करने के लिए दिमाग को लगातार ऑक्सीजन की जरूरत होती है। जबकि, बार-बार ऑक्सीजन की कमी से दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है, खासकर उन हिस्सों में जो याददाश्त, ध्यान और सोचने-समझने की क्षमता (एग्जीक्यूटिव फंक्शनिंग) के लिए जिम्मेदार होते हैं। स्टडीज से पता चला है कि जो लोग स्लीप एपनिया का इलाज नहीं करते हैं, उनके दिमाग के हिप्पोकैम्पस और फ्रंटल कॉर्टेक्स जैसे हिस्सों में संरचनात्मक और कार्यात्मक बदलाव होते हैं। नतीजतन, मरीजों को ध्यान लगाने, याद रखने, फैसले लेने और मानसिक रूप से जानकारी प्रोसेस करने की गति में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से वैस्कुलर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है, जो दिमाग के काम करने की क्षमता पर और असर डाल सकता है। ऑक्सीजन की कमी और दोबारा ऑक्सीजन मिलने के बार-बार होने वाले चक्र से सूजन , ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सिम्पैथेटिक नर्वस सिस्टम का एक्टिवेशन होता है।

निशाना

काठ की हांडी दोबारा चढ़ गई..!

दिनेश प्रभात

हर व्यवस्था राज्य की बीमार चलती है
जेल से भी क्या कभी सरकार चलती है
पास यमुना.. दूसरों से भीख पानी की
प्यास तो है..प्यास, हाहाकार चलती है
वोटरों से कह रहे हैं.. फिक्र मत करना
क़ैद से अधिकार की बौछार चलती है
अब जरा देकर दिखाओ मुफ्त में पानी
सींखचों से नीर की क्या धार चलती है
काठ की हाँडी दुबारा चढ़ गई,... वरना
एक साजिश क्या हज़ारों बार चलती है
पेड़, पौधे, आदमी, कोई नहीं बचता
जब सियासत की हमेशा मार चलती है
कौन गंगा, कौन जमुना आज के युग में
एक कट्टरता सदा..... तैयार चलती है
एक चींटी तक यहाँ अब गुड़ नहीं खाती
हाथ में लेकर यहाँ.... तलवार चलती है
सोचता हूँ इन दिनों 'की-बोर्ड' बन जाऊँ
नर्म उँगली भी...हज़ारों बार चलती है
गीत पढ़ने इसलिए.. बाहर निकलता हूँ
कौन- सी वो साथ हर इतवार चलती है।

कॅरियर

इंडियन नेवी में शॉर्ट सर्विस कमीशन के अफसरों की भर्ती शुरू, 275 पदों पर मौका

भारतीय नौसेना ने शॉर्ट सर्विस कमीशन (SSC) ऑफिसर पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। नौसेना ने इस भर्ती का नोटिफिकेशन 23 जून को जारी किया था और ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 25 जून 2026 से शुरू हो गई है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार भारतीय नौसेना की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

इस भर्ती अभियान के जरिए कुल 275 रिक्त पदों को भरा जाएगा। चयनित उम्मीदवारों को भारतीय नौसेना अकादमी में निर्धारित प्रशिक्षण पूरा करना होगा।

भर्ती के तहत नौसेना की कई महत्वपूर्ण शाखाओं में नियुक्तियां की जाएंगी। इनमें एग्जीक्यूटिव ब्रांच, पायलट, नेवल एयर ऑपरेशंस ऑफिसर, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर, लॉजिस्टिक्स, नेवल आर्मामेंट इंस्पेक्ट्रेट कैडर, एजुकेशन ब्रांच, इंजीनियरिंग ब्रांच, सबमरीन टेक इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल ब्रांच, सबमरीन टेक इलेक्ट्रिकल और नेवल कंस्ट्रक्टर जैसी शाखाएं शामिल हैं।

उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता संबंधित शाखा के अनुसार तय की गई है। चयन प्रक्रिया और पात्रता से जुड़ी विस्तृत जानकारी आधिकारिक नोटिफिकेशन में उपलब्ध होगी।

उम्मीदवार भारतीय नौसेना की आधिकारिक वेबसाइट

JoinIndianNavy .gov.in पर जाकर नोटिफिकेशन डाउनलोड कर सकते हैं। होमपेज पर 'Online application window for SSC (various entries) for Jun 27 Course' लिंक पर क्लिक करने के बाद भर्ती की पीडीएफ खुल जाएगी। इसे डाउनलोड कर भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है।

वायरल कंटेंट

बच्चियों ने शरारत गाने पर क्लास में मचाया धमाल, स्कूल यूनिफॉर्म में दिखाया कमाल का डांस

स्कूल यूनिफॉर्म में 2 छोटी बच्चियों का क्लासरूम में 'शरारत' गाने पर किया गया प्यारा डांस सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में बच्चियों की एनर्जी, क्यूट एक्सप्रेशन और शानदार स्टेप्स लोगों का दिल जीत रहे हैं।

आजकल सोशल मीडिया पर बच्चों के डांस वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। खासकर स्कूल में दोस्तों के साथ मस्ती करते हुए बनाए गए वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो जाते हैं। कई बार बच्चों की मासूमियत और उनका कॉन्फिडेंस लोगों का दिल जीत लेता है। अब ऐसा ही एक प्यारा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें छोटी बच्चियां स्कूल यूनिफॉर्म में क्लासरूम के अंदर शानदार डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में बच्चियों का कॉन्फिडेंस, एक्सप्रेशन और एनर्जी देखकर लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। यही वजह है कि यह वीडियो इंटरनेट पर लोगों का खूब ध्यान खींच रहा है।

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि 2 छोटी बच्चि अपने क्लासरूम में खड़ी होकर 'धूरंधर' फिल्म के मशहूर गाने 'शरारत' पर डांस करती नजर आ रही हैं। स्कूल यूनिफॉर्म में बच्चियों का अंदाज बेहद प्यारा लग रहा है। डांस के दौरान बच्चियों ने गाने के हर बीट पर शानदार स्टेप्स किए। उनके चेहरे के एक्सप्रेशन और मस्ती भरा अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहा है। क्लासरूम में मौजूद बाकी बच्चे भी उन्हें देखकर खुश नजर आते हैं।

यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @zenathapa नाम के अकाउंट पर शेयर किया गया है। शेयर करते ही यह वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। खबर लिखे जाने तक इसे 23 लाख से ज्यादा लोगों ने देख लिया है और 1 लाख से ज्यादा लोगों ने लाइक भी किया है। लोग बच्चियों के टैलेंट और उनके आत्मविश्वास की खूब तारीफ कर रहे हैं। वीडियो पर लगातार कमेंट्स आ रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि बच्चियों का डांस बेहद क्यूट है, जबकि कुछ लोगों ने कहा कि इतनी छोटी उम्र में उनका कॉन्फिडेंस काबिल-ए-तारीफ है। कुछ यूजर्स ने तो यह तक कह दिया कि ये बच्चियां आगे चलकर बड़ी डांसर बन सकती हैं। एक यूजर ने लिखा- 'क्लासरूम में इतना शानदार डांस पहली बार देखा,' तो दूसरे ने लिखा- 'इन बच्चियों की एनर्जी कमाल की है।' कुल मिलाकर यह प्यारा डांस वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम कर रहा है और इंटरनेट पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है।

न्यूज विंडो

राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए उत्कृष्ट विद्यालय के दो स्वयंसेवकों का चयन

गंजबासौदा। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय गंजबासौदा के लिए गौरव का विषय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के दो स्वयंसेवकों का चयन राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में प्रशांत साहू कक्षा 12वीं कला एवं भारती यादव कक्षा 12वीं गणित शामिल हैं। यह शिविर 24 जून से 30 जून 2026 तक महेंद्रगढ़, हरियाणा में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय एकता शिविर में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित युवा भाग लेते हैं। शिविर के दौरान प्रतिभागी सांस्कृतिक आदान-प्रदान, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव एवं नेतृत्व विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करते हैं। ऐसे शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनमें देशभक्ति, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करते हैं। विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रदीप चौरसिया, एनएसएस बालक कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश कुमार ओझा, बालिका इकाई की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती पंथी तथा समस्त शिक्षकों ने दोनों विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यार्थियों के चयन से विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है और इसे विद्यालय की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

शिविर में 13 मरीज मोतियाबिंद के चिह्नित, दवाइयां और चश्मे वितरित

गंजबासौदा। ग्यारसपुर के शासकीय अस्पताल में स्वर्गीय श्री नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के सहयोग से सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट, आनंदपुर द्वारा निः शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर के नेत्र चिकित्सक डॉ. बालकृष्ण राव, ग्यारसपुर अस्पताल के नेत्र सहायक रजनीश भार्गव तथा आनंदपुर के नेत्र विभाग की टीम ने 103 से अधिक मरीजों एवं अन्य लोगों की आंखों की जांच कर उन्हें नेत्र रोगों से बचाव संबंधी आवश्यक जानकारी दी। शिविर के दौरान 13 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान की गई, जबकि 49 लोगों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इसके साथ ही 22 मरीजों की आंखों का नंबर जांचा गया तथा 19 लोगों को चश्मे उपलब्ध कराए गए। ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित इस शिविर से बड़ी संख्या में मरीजों को लाभ मिला। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले एवं समाजसेवी संतोष शर्मा ने ट्रस्ट के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि ट्रस्ट द्वारा वर्ष भर में 52 हजार से अधिक नेत्र ऑपरेशन किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अंधत्व निवारण के लिए ट्रस्ट लगातार नेत्र शिविरों का संचालन कर रहा है, जिससे जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार और मार्गदर्शन मिल रहा है। शिविर का संचालन रवि उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान कैंप प्रभारी लखन शर्मा, पारस रोहले, त्रिलोक सेन एवं पत्रकार सीताराम कुशवाहा ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

किशनपुर में कुएं का पानी पीने और नहाने के बाद ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ी

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के बिछुआ क्षेत्र अंतर्गत खमरा के किशनपुर गांव में कुएं का पानी पीने और उससे नहाने के बाद करीब 25 से 30 ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन अलर्ट हो गया और प्रभावित ग्रामीणों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 5 एंबुलेंस मौके पर रवाना की गईं। फिलहाल सभी का उपचार चल रहा है।

पुलिस ने पकड़ी 80 लीटर से अधिक अवैध शराब, कार जब्त

नर्मदापुरम। थाना देहात पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 80.28 लीटर देशी मदिरा और एक टाटा टियागो कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त मशरूका की कुल कीमत लगभग 3 लाख 55 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति सिल्वर रंग की टाटा टियागो कार में भोपाल से अवैध शराब लेकर नर्मदापुरम की ओर आ रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम श्री साईं कृष्णा एस. थोटा के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक राजन एवं एसडीओपी श्री जितेंद्र कुमार पाठक के निर्देशन में थाना देहात पुलिस ने कुलामड़ी बायपास रोड स्थित रेत स्टॉक के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद मुखबिर द्वारा बताए गए वाहन को रोककर चालक से पूछताछ की गई। आरोपी ने अपना नाम चंद्रेश गौर (36 वर्ष) निवासी सर्वधन कॉलोनी, कोलार भोपाल बताया। वाहन की तलाशी लेने पर कार की डिक्की से 9 पेटियों में भरी कुल 446 क्वार्टर देशी मदिरा बरामद हुई, जिसकी मात्रा 80.28 लीटर पाई गई। पुलिस ने अवैध शराब और कार को विधिवत जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

मंदसौर जिले के बाजखेड़ी गांव में अवैध एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़

खेत में चल रही थी 'मौत की फैक्ट्री', करोड़ों की एमडी ड्रग्स के साथ दो तस्करों को दबोचा

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

'ड्रग फ्री मध्य प्रदेश' अभियान के तहत मंदसौर की नई आबादी थाना पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने ग्राम बाजखेड़ी स्थित एक सुनसान खेत पर छापा मारकर अवैध रूप से संचालित की जा रही सिंथेटिक ड्रग्स (एमडी) बनाने की पूरी फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से करोड़ों रुपये मूल्य की 13 किलो 850 ग्राम तैयार एमडी ड्रग और 9 किलो से अधिक रासायनिक पदार्थ (केमिकल) बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से दो मुख्य तस्करों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस ने ड्रग्स निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सेंट्रीफ्यूगल मशीन, इलेक्ट्रॉनिक कांटा सहित कई हाईटेक उपकरण भी जब्त किए हैं।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि नई आबादी पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि ग्राम बाजखेड़ी में एक खेत की आड़ में बड़े पैमाने पर अवैध मादक पदार्थ तैयार किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम का गठन कर बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। अचानक हुई इस छापेमारी से

मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से सदाकत खान (41) और आरीफ अजमेरी (33) को रंगेहाथ दबोच लिया। इनका एक अन्य साथी ताहिर अजमेरी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला, जिसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करोड़ों की कीमत

एसपी मीना ने बताया कि फैक्ट्री से कुल 13 किलो 850 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली एमडी ड्रग और 9 किलो 109 ग्राम कच्चा केमिकल मिला है, जिससे भारी मात्रा में और ड्रग्स तैयार की जानी थी। बरामद की गई ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। इसके अलावा पुलिस ने मौके से नशे के निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सेंट्रीफ्यूगल मशीन, इंडक्शन चूल्हा, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा, ड्रम और कई बाल्टियां बरामद की हैं।

बड़े नेटवर्क का होगा खुलासा

थाना नई आबादी पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब पकड़े गए तस्करों को रिमांड पर लेकर कड़ी पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह एक अंतरराज्यीय रैकेट हो सकता है। पूछताछ में यह पता लगाया जा रहा है कि ड्रग्स बनाने के लिए केमिकल कहां से लाया जा रहा था और तैयार माल को किन-किन शहरों में सप्लाई किया जाना था।

छिंदवाड़ा जिले के हर्रई थाना क्षेत्र की घटना

टपरे पर गिरी आकाशीय बिजली; भाई-बहन की हुई मौत, तीन ग्रामीण गंभीर

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा के हर्रई थाना क्षेत्र अंतर्गत बटकाखापा चौकी के ग्राम कुंडाली में मंगलवार शाम बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। खेत से काम कर लौट रहे लोगों ने तेज बारिश से बचने के लिए एक टपरे में शरण ली थी, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद उसी टपरे पर बिजली गिर गई। हादसे में सगे भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम क्षेत्र में अचानक मौसम खराब हो गया और तेज बारिश शुरू हो गई। खेतों में काम कर रहे ग्रामीण बारिश से बचने के लिए पास ही बने एक टपरे में एकत्र हो गए। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली सीधे टपरे पर आ गिरी। बिजली की चपेट में आने से उर्मिला धुर्वे (21) और उसका भाई भरत धुर्वे (19) गंभीर रूप से झुलस गए थे। जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई थी।

हादसे में वर्षीय जगवती धुर्वे (52), दयावती धुर्वे (20) और सतीराम धुर्वे (30) भी बिजली की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल हर्रई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। एक ही परिवार के भाई-बहन की अचानक हुई मौत से परिजन बदहवास हैं। बुधवार सुबह पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिए। अंतिम संस्कार के दौरान गांव में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

वन्यजीवों के अंगों की तस्करी करने वाले 5 आरोपी पकड़े गए

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

बालाघाट में वन विभाग ने वन्यजीवों के अंगों की तस्करी करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विभाग को पिछले डेढ़ महीने से इस गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिल रही थी। तस्करों को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम खुद खरीददार बनी और सौदा तय कर आरोपियों को पकड़ा। अधिकारियों का दावा है कि जब्त की गई हड्डियां दो अलग-अलग बाघों की हैं, जिन्हें पुष्टि के लिए लैब भेजा गया है।

खस्ताहाल सड़कें: जनप्रतिनिधियों के गांव में भी विकास पर सवाल

अनूपपुर/पुष्पराजगढ़। दोपहर मेट्रो

अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ जनपद अंतर्गत किरगी ग्राम पंचायत की मुख्य सड़क की स्थिति इन दिनों गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। सड़क पर इतने बड़े-बड़े गड्ढे हैं कि यह समझना मुश्किल हो जाता है कि यहां सड़क है या गड्ढों का जाल। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। विशेष बात यह है कि किरगी ग्राम पंचायत क्षेत्र में ही शहडोल संसदीय क्षेत्र के सांसद तथा पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक का निवास भी बताया जाता है। इसके बावजूद यदि इस ग्राम पंचायत की मुख्य सड़क की यह स्थिति है, तो क्षेत्र के अन्य गांवों और पंचायतों में विकास कार्यों की स्थिति कैसी होगी, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। किरगी ग्राम पंचायत पुष्पराजगढ़ जनपद की ग्राम पंचायतों में शामिल है। कई बार सड़क मरम्मत और निर्माण की मांग संबंधित विभागों एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखी गई, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। सड़क पर बने गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है और वाहन चालकों के साथ-साथ स्कूली बच्चों एवं मरीजों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, निकाला जुलूस

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी में पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों का जुलूस भी निकाला, जहां बदमाशों से सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई गई। इस दौरान आरोपी खुद कहते नजर आए कि अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है। पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल, पूरा मामला कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित आजाद चौक का है। जहां 22 जून की देर रात महिला से छेड़छाड़ की शिकायत मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची थी। आरोप है कि वहां मौजूद गणेश उर्फ गन्नू रजक, अभिलाष सेन और पारस बर्मन ने पुलिस आरक्षक रूपेश यादव के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने आरक्षक पर चाकू से हमला कर दिया जिससे

वह घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। कोतवाली टीआई राखी पांडे ने बताया कि वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। जांच में सामने आया है कि तीनों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों का जुलूस निकाला, जहां उनसे सार्वजनिक रूप से अपराध न करने की शपथ दिलाई गई। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

मेट्रो एंकर राजगढ़ एसपी तक पहुंचा मामला

बीजेपी नेताओं पर सरकारी डॉक्टर से अभद्रता और धमकी का आरोप

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल के ओटी कॉम्प्लेक्स में सर्जन डॉ. अंकुर देशवाली और भाजपा नेताओं के बीच विवाद का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बीजेपी के पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष केपी पंवार और भाजपा नेता श्याम गुर्जर जिला अस्पताल में विशेष ड्यूटी पर आए डॉ. अंकुर देशवाली के केबिन में नजर आ रहे हैं और बहसबाजी होती सुनाई दे रही है। इतना ही नहीं कुछ ही देर में डॉ. देशवाली गुस्से में चिल्लाते हुए केबिन से बाहर निकल रहे हैं और कह रहे हैं कि मैं इस्तीफा दे दूंगा।

सिविल अस्पताल सारंगपुर में पदस्थ सर्जिकल विशेषज्ञ डॉ. अंकुर देशवाली इन दिनों जिला अस्पताल राजगढ़ में विशेष ड्यूटी पर हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष केपी पंवार और भाजपा नेता श्याम गुर्जर पर अभद्र

व्यवहार, धमकी देने, अस्पताल के संवेदनशील क्षेत्र में अनधिकृत प्रवेश और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप लगाए हैं। वहीं, भाजपा नेताओं ने भी पुलिस अधीक्षक को शिकायत की है। शिकायत के अनुसार डॉ. देशवाली ट्रॉमा सेंटर और ओटी कॉम्प्लेक्स में मरीजों के उपचार में व्यस्त थे। इसी दौरान कुछ लोग उनसे एक मरीज को लेकर चर्चा करने पहुंचे। डॉक्टर का आरोप है कि बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और बाद में संबंधित लोग ओटी कॉम्प्लेक्स तक पहुंच गए, जहां अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और उन्हें धमकियां दी गईं। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि इस दौरान अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों में भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। डॉ. देशवाली ने पूरे मामले में एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई और जिला अस्पताल के संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

मैं इस्तीफा दे दूंगा, शिकायत करूंगा

सोशल मीडिया पर जिला अस्पताल में हुई इस कहासुनी और विवाद की घटना का एक वायरल हो रहा है। जिसमें दिख रहा है कि डॉक्टर के केबिन के बाहर मरीज लाइन में लगे हुए हैं। इस बीच पूर्व विधायक और केपी पंवार, श्याम गुर्जर पहुंचे। उनकी आवाजें आ रही हैं, तेज आवाज के बीच अचानक से खींचतान होने लगी। इस बीच भीड़ के बीच में डॉ. देशवाली निकलते नजर आ रहे हैं। केबिन से निकलते हुए डॉ. देशवाली कह रहे हैं कि मैं इस्तीफा दे दूंगा, शिकायत करूंगा, बताता हूं आप लोगों को। इस बीच श्याम गुर्जर कह रहे हैं कि यहीं रुक न यहीं बता न कहां बताएगा? 34 सेकेंड के वीडियो में डॉक्टर और भाजपा नेताओं के बीच झूमाझटकी, कहासुनी नजर आ रही है।

पूर्व विधायक ने आरोपों से किया इनकार

मामले में पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा से बात की। उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनका स्वभाव ऐसा नहीं है कि वे किसी से अभद्रता करें। उन्होंने बताया कि उनके परिचित इंदर सिंह के घुटने का ऑपरेशन होना था और अच्छे डॉक्टर होने के कारण वे केवल निवेदन करने अस्पताल गए थे। पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा के अनुसार, उनकी ओर से कोई विवाद या हंगामा नहीं हुआ, बल्कि डॉक्टर का व्यवहार अपेक्षित मर्यादा के अनुरूप नहीं था। वहीं, भाजयुमो जिलाध्यक्ष केपी पंवार और भाजपा नेता श्याम गुर्जर ने भी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि डॉक्टर ने जनप्रतिनिधियों और मरीज पक्ष के साथ असम्मानजनक व्यवहार किया है।

बड़ा हादसा होने से टला: कुएं से नगर परिषद की जल सप्लाई प्रभावित, वार्डवासी हो रहे परेशान

वार्ड एक का ऐतिहासिक कुआं भसका, नगर की जलापूर्ति व्यवस्था पर पड़ा असर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड क्रमांक 1 में स्थित एक पुराना कुआं बुधवार दोपहर अचानक भसक जाने से पानी की कुछ समस्या की स्थिति निर्मित हो गई। कुआं भसकने की घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और नगर परिषद की जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त की जाने लगी।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार उक्त कुएं की मरम्मत लगभग 15 वर्ष पूर्व नगर परिषद द्वारा कराई गई थी। उस दौरान कुएं की ईंटों की जुड़ाई सहित अन्य आवश्यक कार्य किए गए

थे, लेकिन इसके बाद नगर परिषद ने इसकी नियमित देखरेख और रखरखाव की ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि समय के साथ कुएं की स्थिति लगातार जर्जर होती चली गई, वहीं इसके आसपास अतिक्रमण भी बढ़ता गया, जिसके कारण संरचना पर अतिरिक्त दबाव पड़ने लगा। जानकारी के अनुसार यह कुआं नगर परिषद की जलापूर्ति व्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र था। यहां से नगर परिषद के टैंकरों में पानी भरा जाता था। साथ ही बोरवेल से पानी सीधे कुएं में छोड़ा जाता था, जहां से नगर के कुछ वार्डों में पेयजल की आपूर्ति की जाती थी। बावजूद इसके, कुएं की खराब होती स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया गया। परिणामस्वरूप बुधवार को कुएं का हिस्सा अचानक भसक गया। कुएं के भसकने से अब नगर परिषद की टैंकर आधारित जलापूर्ति एवं इससे जुड़े कुछ वार्डों में होने वाली नियमित पानी की सप्लाई प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है। नगर परिषद को वैकल्पिक व्यवस्था करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर परिषद के जलप्रदाय प्रभारी रामकुमार यादव ने बताया कि उन्हें कुएं के भसकने की सूचना प्राप्त हुई है और वे मौके का निरीक्षण करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुआं किन कारणों से भसका है, इसका आकलन स्थल निरीक्षण के बाद ही किया जा सकेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में जलापूर्ति बनाए रखने के लिए किसी अन्य बोरवेल अथवा वैकल्पिक स्रोत से व्यवस्था करने के प्रयास किए जाएंगे वहीं गनीमत यह रही जिस समय कुआं भसका का उस समय कोई कुँए से पानी नहीं भर रहा था नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

न्यूज विंडो

नाबालिक का अपहरण कर बलात्कार करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

धार। ग्राम निम्बोल निवासी नाबालिग लड़की के अपहरण सहित बलात्का र के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस टीम ने गिरफतार कर लिया है। नाबालिग आरोपी ने अपनी जीजा लखन उर्फ घोटु पिता घींसालाल की मदद लेकर लड़की का अपहरण किया था, पुलिस ने प्रकरण की विवेचना के दौरान आरोपी जीजा के खिलाफ भी वैधानिक कार्यवाही की है। दरअसल कुक्षी थाने पर 26 मई को पीडिता के पिता ने लड़की के गुम होने की सूचना दी थी। नाबालिक बालिका होने से मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी सचिन शर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी कुक्षी राजेश यादव के नेतृत्व में नाबालिक की तलाश हेतु एक टीम गठित की गई। जिसमें चौकी प्रभारी निसरपुर उनि रवि वास्के एवं टीम के सदस्य थे। पुलिस चौकी निसरपुर थाना कुक्षी की टीम के द्वारा लगातार प्रयास कर मुखबीर तंत्र को मजबुत कर निसरपुर से गुजरात मजदुरी करने जाने वाले लोगो से सम्पर्क कर उक्त नाबालिक अपर्हता के तलाश के संबंध में बताया। महिला पुलिस अधिकारी के समक्ष लड़की के बयान दर्ज किए गए। बाल अपचारी ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया व इसके बाद जीजा की मदद से लड़की को लेकर गुजरात गया था। पुलिस ने बाल अपचारी सहित लखन उर्फ घोटु पिता घीसालाल बामनिया उम्र 24 वर्ष को गिरफ्तार किया। नाबालिग आरोपी को बाल न्यायालय में कुक्षी पुलिस ने पेश किया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने की कार्यवाही निरीक्षक राजेश यादव थाना प्रभारी कुक्षी, उनि रवि वास्के चौकी प्रभारी निसरपुर, उनि प्रशांत गुंजाल, सउनि भुवान चौहान, आरक्षक प्रशांतसिंह, आरक्षक शुभम का महत्ववपूर्ण योगदान रहा।

हत्या का खुलासा: नाबालिग पुलिस अभिरक्षा में, एक आरोपी की तलाश

तेन्दूखेड़ा। थाना तेन्दूखेड़ा क्षेत्र में साप्ताहिक बाजार के दौरान हुए युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मात्र 30 रुपये के किराये के विवाद को लेकर 14 वर्षीय विधि विरुद्ध बालक ने युवक पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। मामले में नाबालिग को पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया है, जबकि दूसरा आरोपी धीरेंद्र खटीक फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान वार्ड क्रमांक 5, तेन्दूखेड़ा निवासी 25 वर्षीय अतुल अहिरवार के रूप में हुई है। घटना 23 जून 2026 की रात लगभग 9 बजे पण्डा सेठ की दुकान के सामने मुख्य मार्ग पर आयोजित साप्ताहिक बाजार में हुई। मृतक अतुल अहिरवार अपने हाथ ठेले किराये पर फल विक्रेताओं को देता था। उसने अपना एक ठेला 50 रुपये किराये पर दमोह निवासी फल विक्रेता धीरेन्द्र खटीक को दिया था। रात में जब अतुल किराया लेने पहुंचा, तब आरोपियों द्वारा केवल 20 रुपये दिए गए। शेष 30 रुपये को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान आरोपी 14 वर्षीय नाबालिग ने आवेश में आकर फल काटने वाले चाकू से अतुल के सीने पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल अतुल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अन्य फल विक्रेताओं से पूछताछ की ।

नरगुवा की घाट पर हुआ हादसा: शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदलीं, पुलिस जांच में जुटी

दो बाइक आपस में भिड़ने से दो की मौत, तीन घायल, दो साल का बच्चा साइलेंसर से जला

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र अंतर्गत तेंदूखेड़ा पाटन मार्ग पर स्थित नरगुवा की घाट पर सुबह रफ्तार का कहर देखने को मिला है अंधे मोड़ पर दो तेज रफ्तार बाइक की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत दो लोगों की दर्दनाक मौत हो जाने सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो जाने का घटनाक्रम सामने आया हैं हादसे के बाद घायलों को गंभीर हालत में 108 की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया है हादसा इतना भीषण था दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए साथ ही दोनों बाइकों चालकों के सिर फटने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की गई।

घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार इस हादसे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है जबकि तीन लोग घायल हैं जिनमें आशु पिता भाईलाल बसोर उम्र 18 वर्ष एवं भाईलाल बसोर उम्र 40 वर्ष निवासी बम्हौरी थाना तेंदूखेड़ा है जो सहजपुर से तेंदूखेड़ा की और आ रहे थे दूसरी तरफ राजू पिता सुखी अहिरवार जो अपनी पत्नी आशा पति राजू और 2 साल के बेटे धर्मेंद्र पिता राजू के साथ मगदूपुरा से दोनी जा रहे थे लेकिन जैसे ही दोनों ही बाइक सवार नरगुवा की घाट पहुंचे और आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में राजू पिता सुखी अहिरवार एवं आशु पिता भाईलाल बसोर की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई है जबकि आशा पति राजू अहिरवार उम्र 30 धर्मेंद्र पिता राजू अहिरवार उम्र 2 वर्ष निवासी दोनी थाना तेंदूखेड़ा एवं भाईलाल बसोर निवासी बम्हौरी गंभीर रूप से घायल हो साथ ही 2 साल मासूम धर्मेन्द्र बाइक के

साइलेंसर के चपेट में आने से पीछे तरफ का पूरा हिसाब बुरी तरह से जल चुका है। प्राथमिक उपचार के 2 साल के धर्मेंद्र अहिरवार और आशा व भाईलाल को गंभीर हालत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही दोनों ही परिवार के परिजन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घटना की जानकारी ली। हादसे में घायल बम्हौरी निवासी भाईलाल बसोर ने बताया कि बड़े बेटे की शादी का निमंत्रण देने के लिए अपने छोटे बेटे आशु के साथ सहजपुर गांव गए थे क्योंकि घर में 27 जून की बड़े बेटे की शादी है। सहजपुर गांव से निमंत्रण देकर वापस अपने घर लौट रहे थे लेकिन रास्ते में हादसा हो गया जिसमें मेरे छोटे बेटे की मौत हो गई दूसरी ओर दोनी निवासी राजू पिता सुक्खी अहिरवार जो कि अपनी पत्नी और दो वर्षीय बच्चे के साथ मागदुपूरा में शादी में शामिल होकर वहां से वापस अपने घर जा रहा था लेकिन घर पहुंचने के पहले ही हादसे का शिकार हो गया जिसमें राजू की मौके पर मौत हो गई जहां दोनों परिवारों में शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गई दोनों परिवारों में मातम छा गया जहां शादी की तैयारियां चल रही तो वहां अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो गई परिजनों का रो रो बुरा हाल बना हुआ है ।

रफ्तार बनी हादसे की वजह

मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो दोनों बाइकों की रफ्तार अंधे मोड़ पर भी बहुत तेज थी जिस कारण बाइक चालक नियंत्रण नहीं कर पाए और सीधे दोनों बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई जिस समय यह हादसा हुआ है वहां से गुजर रहे राहगीरों ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि लोग देखकर सहम गए मौके पर देखा तो दोनों बाइक चालकों की मौके पर मौत हो गई थी लोगों का कहना है बाइक की रफ्तार इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए साथ ही अगर बाइक सवार धीमी गति से बाइक चला रहे होते और हेलमेट पहने होते तो शायद दोनों की जान बच जाती और बड़ा हादसा होने से टल जाता लेकिन खुद की लापरवाही व अनदेखी से इतना भीषण हादसा हो गया और दो लोगों की मौत हो गई।

परिजनों को शव सुपुर्द किए

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा और घटना की जानकारी ली परिजनों के पहुंचते ही पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करते हुए दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर ने बताया कि हादसा नरगुवा की घाट पर हुआ है जहां दो बाइक सवारों की आपस में टक्कर हुई है। जिसमें दो लोगों की मौत हुई है और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मामले में जांच की जा रही है।

रास्ते को लेकर हुए विवाद में पिता-पुत्र ने व्यक्ति को जमकर लाठियों से पीटा, शव को कुएं में फेंका

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां थाना महराजपुर पुलिस ने अंधे हत्याकांड का महज 24 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया है। खेत के रास्ते के पुराने विवाद को लेकर पिता और पुत्र ने मिलकर एक शख्स की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी थी। साक्ष्य छुपाने के इरादे से आरोपियों ने शव को पास ही के एक कुएं में फेंक दिया था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी पिता और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम सरई वन निवासी कुंजन यादव (40 वर्ष), पिता बृजलाल यादव, बीती 22 जून 2026 की रात करीब 10:30 बजे अपने घर से खेत पर खाना लेकर निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। अगले दिन 23 जून की सुबह करीब 8:00 बजे ग्रामीणों ने प्रहलाद राजपूत के कुएं में एक लाश तैरती हुई देखी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला, जिसकी शिनाख्त कुंजन यादव के रूप में हुई। उसके शरीर पर सिर, आंख, हाथ और पीठ पर गंभीर चोटों के निशान थे, जिससे साफ था कि उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने तत्काल मर्ग कायम कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस ने जब बारीकी से घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए, तो मामला खुलता चला गया। संदेह के आधार पर जब गांव के ही मदन गोंड से कड़ी पूछताछ की गई, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

जांच में सामने आया कि मृतक कुंजन यादव और आरोपी मदन गोंड के बीच खेत के रास्ते को लेकर लंबे समय से रंजिश चल रही थी। 22 जून की रात को जब कुंजन अपने खेत की तरफ जा रहा था, तभी मदन गोंड और उसके बेटे आकाश गोंड ने उसे रास्ते में अपनी टपरिया (झोपड़ी) के पास रोक लिया। दोनों पक्षों में विवाद बढ़ा और पिता-पुत्र ने लाठी-डंडों से कुंजन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

जबलपुर में सेवानिवृत्त थाना प्रभारी के परिवार में संपत्ति विवाद को लेकर बुजुर्ग महिला से मारपीट

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

सगड़ा क्षेत्र में सेवानिवृत्त गढ़ा थाना प्रभारी स्वर्गीय एस.एल. चंद्रौल के परिवार में संपत्ति विवाद को लेकर एक बुजुर्ग महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। 68 वर्षीय रामरती चंद्रौल ने अपनी बहू रितु चंद्रौल, बेटे आशीष चंद्रोल और उनके साथियों पर प्रताड़ना, मारपीट और लूटपाट के गंभीर आरोप लगाए हैं।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना अवधपुरी भोपाल

क्रमांक-138/26 दिनांक-13/06/26

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना अवधपुरी के सूचक विनोद कुमार राम पिता स्व. श्री शिव शंकर राम उम्र 55 साल निवासी म.न. 146 सयुक्त विहार कालोनी अवधपुरी भोपाल ने थाना उपस्थित आकर बताया कि दिनांक 22.05.2026 के करीबन 09.30 बजे की बात है मेरी माँ सहदेईया देवी पति स्व. श्री शिव शंकर राम उम्र 80 साल निवासी सदर जो हम लोगों को बतायी कि मैं बाहर घूम कर आती हूँ फिर वह घूम कर वापस घर नहीं आयी है कही चली गयी है जिनका हुलिया रंग गोरा कद करीबन 05 फिट जो भूरे व लाल रंग की साड़ी पहन हुये है व काले रंग का विलाउज पैरो में लाल रंग का चप्पल पहने हुया है जो झुक कर चलती है जिन्हे मेरे तथा बच्चों के द्वारा मां को आसपास खोजा गया व रिस्तेदारों में फोन कर पूछा जो कही नहीं है रिपोर्ट करता हूँ की सूचना पर गुम इंसान क्रमांक 22/2026 को कायम कर जांच में लिया गया है जिसके बारे में सूचना मिलने पर मोबाईल नम्बर 9479990584,9826064162 पर सूचना देने का कष्ट करे।

थाना प्रभारी
थाना अवधपुरी भोपाल

जी-14838/26

मेट्रो एंकर

शासकीय शाला पुरा बेरागढ़ में साइकिल वितरण कार्यक्रम

विद्यार्थियों को वितरित की साइकिलें, खिले चेहरे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

एकीकृत शासकीय शाला पुरा बेरागढ़ में विद्यार्थियों के लिए निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना तथा शिक्षा के प्रति उनकी निरंतरता और उत्साह को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में ग्राम के गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि अखंड प्रताप सिंह, नरेंद्र सिंह एवं रोहित सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने और शिक्षा के महत्व को समझने की प्रेरणा दी।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की यह महत्वाकांक्षी योजना ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से बालिकाओं को विद्यालय तक पहुंचने में होने वाली कठिनाइयों को कम करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साइकिल मिलने से विद्यार्थियों का समय बचेगा, उनकी विद्यालय में उपस्थिति बढ़ेगी तथा वे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पालकगण एवं विद्यार्थियों

के परिजन उपस्थित रहे। सभी ने शासन की इस जनहितकारी योजना की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं भविष्य निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। साइकिल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं ने शासन एवं विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में शाला प्रभारी पदम सिंह लोधी, अनरत सिंह एवं गणेश अहिरवार ने उपस्थित अतिथियों, पालकों तथा विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला रायसेन (म.प्र.)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला रायसेन में कार्यालयीन एवं अधीनस्थ स्वास्थ्य संस्थाओं में स्टेशनरी सामग्री उपलब्ध कराने के संबंध में वर्ष 2026-27 के लिए ई-निविदा आमंत्रण।

प्रथम निविदा

1	निविदा विवरण	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला रायसेन में कार्यालयीन एवं स्वास्थ्य संस्थाओं हेतु स्टेशनरी सामग्री उपलब्ध कराने के संबंध में
2	निविदा दस्तावेज आनलाईन क्रय हेतु उपलब्धता	शासकीय निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि 1000/- (एक हजार मात्र) है जो ई-प्रोक्योरमेंट http://mptenders.gov.in पर देय होगा। आर.एफ.पी. से संबंधित कोई भी प्रश्न या स्पष्टीकरण ई-मेल पते पर भेजा जा सकता है। dpmurai-mp@nic.in
3	ऑनलाईन निविदा जारी करने की दिनांक एवं समय।	दिनांक 24.06.2026 समय दोपहर 02.00 बजे से
4	ऑनलाईन निविदा क्रय करने की दिनांक एवं समय।	दिनांक 24.06.2026 समय दोपहर 03.00 बजे से
5	ऑनलाईन निविदा क्रय प्री-बिड मीटिंग।	दिनांक 01.07.2026 समय दोपहर 12.00 बजे से
6	ऑनलाईन निविदा क्रय करने की अंतिम दिनांक एवं समय।	दिनांक 14.07.2026 समय दोपहर 03.00 बजे से
7	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय।	दिनांक 14.07.2026 समय शाम 06.00 बजे तक
8	तकनीकी निविदा ऑनलाईन खोले जाने की दिनांक एवं समय।	दिनांक 16.07.2026 समय दोपहर 03.00 बजे से
9	वित्तीय निविदा ऑनलाईन खोले जाने की दिनांक एवं समय।	विभागीय क्रय समिति निर्णय अनुसार।

जी-14807/26

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला- रायसेन

फीफा विश्व कप 2026: स्विट्जरलैंड और कनाडा अंतिम-32 में पहुंचे

बोस्निया ने जीत से जीवित रखीं नॉकआउट की उम्मीद

स्विट्जरलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप में मारी बाजी

वैंकूवर/सिएटल, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप बी के अंतिम मुकाबलों के बाद नॉकआउट चरण की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। वैंकूवर में खेले गए मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिएटल में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से मात देकर अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। तीन मैचों के बाद स्विट्जरलैंड सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहले स्थान पर रहा, कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और दोनों टीमों ने सीधे अंतिम-32 में जगह बना ली। वहीं, बोस्निया भी चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा और अब सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर आगे बढ़ने की उम्मीद लगाए हुए है। कतर सिर्फ एक अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

वैंकूवर के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए ग्रुप बी के निर्णायक मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप विजेता बनने का गौरव हासिल किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और 45 मिनट का खेल गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। कनाडा और स्विट्जरलैंड दोनों ने मौके बनाए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता नहीं मिली।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने मैच का रुख बदल दिया। 46वें मिनट में रूबेन वर्गास ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में 20 वर्षीय जोहान मंजाम्बी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। मंजाम्बी ने पूरे मैच में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और स्विस आक्रमण की धुरी बने रहे। कनाडा ने हार नहीं मानी और 76वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी प्रॉमिस डेविड ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम मिनटों में कनाडा ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन स्विस रक्षा पंक्ति ने कोई और मौका नहीं दिया। आखिरकार स्विट्जरलैंड ने 2-1 की जीत दर्ज कर सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहला स्थान हासिल कर लिया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया।

ग्रुप-बी का हाल

ग्रुप बी से स्विट्जरलैंड ने सात अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर सीधे अंतिम-32 में प्रवेश किया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया। बोस्निया-हर्जेगोविना ने अंतिम मैच जीतकर अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है और अब वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों की सूची में जगह बनाने की कोशिश करेगा। वहीं कतर का अभियान एक अंक के साथ समाप्त हो गया।

ग्रुप-बी की अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	ड्रॉ	हारे	अंक
स्विट्जरलैंड	3	2	1	0	7
कनाडा	3	1	1	1	4
बोस्निया-हर्जेगोविना	3	1	1	1	4
कतर	3	0	1	2	1

बोस्निया ने कतर को हराकर जिंदा रखीं नॉकआउट की उम्मीदें

सिएटल स्टेडियम में खेले गए दूसरे मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। मैच के पहले हाफ में बोस्निया ने आक्रामक शुरुआत की और 29वें मिनट में 18 वर्षीय केरिम अलाजबेगोविच ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बोस्निया की बढ़त 34वें मिनट में दोगुनी हो गई जब कतर के सुल्तान अलब्राके ने एडिन जेको के क्रॉस को क्लियर करने के प्रयास में अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गेंद पहुंचा दी। हालांकि कतर ने वापसी की कोशिश की और 42वें मिनट में अनुभवी हसन अलहायदोस ने गोल कर अंतर 2-1 कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में कतर ने बराबरी के लिए जोर लगाया और कुछ अच्छे मौके भी बनाए, लेकिन बोस्निया ने संयम बनाए रखा। मैच के 80वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी एरमिन माहमिक के डिफ्लेक्टेड शॉट ने कतर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस गोल के साथ बोस्निया ने 3-1 की निर्णायक जीत सुनिश्चित कर ली। इस जीत के साथ बोस्निया के भी चार अंक हो गए, लेकिन गोल अंतर और अन्य मानकों के कारण टीम तीसरे स्थान पर रही। अब उसकी निगाहें अन्य समूहों के परिणामों पर टिकी रहेंगी, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर अंतिम-32 में जगह बना सकती है।

बाल सुरक्षा नियमों के तहत विशेष व्यवस्था लागू

सूर्यवंशी पर आईसीसी का खास नियम इंग्लैंड दौरे में अलग रहेगा चेंजिंग रूम

लंदन, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के उभरते युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपने पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय दौरे से पहले ही सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा उनकी बल्लेबाजी को लेकर नहीं, बल्कि इंग्लैंड दौरे पर लागू किए गए एक विशेष नियम को लेकर है। 15 वर्षीय वैभव को भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली सीरीज में अपने सीनियर खिलाड़ियों से अलग चेंजिंग रूम का इस्तेमाल करना होगा। यह व्यवस्था आईसीसी के बाल सुरक्षा से जुड़े नियमों और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड की नीतियों के तहत लागू की गई है। नियमों के अनुसार 16 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों को वयस्क खिलाड़ियों के साथ एक ही चेंजिंग रूम साझा करने की अनुमति नहीं होती। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यह सीरीज आईसीसी के अधिकार क्षेत्र में आती है, इसलिए सभी सुरक्षा नियम लागू रहेंगे। इसके साथ ही बोर्ड की 'सेफ हैंड्स' नीति भी पूरे दौरे के दौरान प्रभावी रहेगी। इसका उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को सुरक्षित वातावरण देना और मानसिक दबाव कम करना है।

खेल पर कोई रोक नहीं, केवल चेंजिंग रूम में बदलाव- रिपोर्टों के अनुसार इस नियम का वैभव की खेल गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वह टीम के साथ ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रहेंगे, टीम बैठकों में शामिल होंगे, अभ्यास करेंगे और सभी क्रिकेट गतिविधियों में भाग लेंगे। केवल मैच से पहले और बाद में कपड़े बदलने के समय उन्हें अलग व्यवस्था दी जाएगी।

परिवार को साथ रहने की अनुमति

वैभव की कम उम्र को देखते हुए उनके माता-पिता को भी विशेष अनुमति दी गई है। वे पूरे दौरे में उनके साथ रहेंगे और उसी होटल में ठहरेंगे जहां भारतीय टीम रुकती है। सामान्य परिस्थितियों में यह सुविधा नहीं दी जाती, लेकिन इस मामले में विशेष छूट दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि परिवार की मौजूदगी से खिलाड़ी को भावनात्मक सहारा मिलेगा।

टी-20 सीरीज: भारत-आयरलैंड कल होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली। भारत और आयरलैंड के बीच 26 और 28 जून को 2 टी20 मैच की सीरीज बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब स्टॉर्मोंट क्रिकेट ग्राउंड में खेली जाएगी।भारतीय क्रिकेट टीम बेलफास्ट पहुंच चुकी है। हालांकि इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम ने इस क्रिकेट ग्राउंड में एक भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है।

कैसा है आयरलैंड में भारत का टी20 रिकॉर्ड

आयरलैंड की धरती पर टी20 इंटरनेशनल मैचों में टीम इंडिया का रिकॉर्ड शानदार है। आयरलैंड में भारत ने अब तक 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और सभी में भारत को जीत हासिल हुई है। भारत ने आयरलैंड में अब तक खेले गए सभी टी20 मैचों में 100 फीसदी जीत का रिकॉर्ड कायम रखा है और कभी भी कोई टी20 मैच नहीं हारा है।

एशियन गेम्स चयन पर मनिका बत्रा की बड़ी चेतावनी

जवाब नहीं मिला तो कानूनी लड़ाई लड़ूंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम में जगह नहीं मिलने के बाद देश की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा ने चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि वह किसी विशेष सुविधा या टीम में जबरन शामिल किए जाने की मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि चयन से जुड़े फैसलों का आधार जानना चाहती हैं। मनिका ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वह कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपना सकती हैं। मनिका बत्रा ने एक बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने करीब दो दशक लंबे करियर में जीत और हार के साथ-साथ चयन और चयन न होने जैसी परिस्थितियों को हमेशा स्वीकार किया है। लेकिन इस बार उन्हें जिस बात से आपत्ति है, वह चयन प्रक्रिया में कथित पारदर्शिता की कमी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में ऐसी बातें सामने आईं कि वह टीम में शामिल होने या अपने लिए विशेष विचार की मांग कर रही हैं। मनिका ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि वह सिर्फ यह

प्रधानमंत्री और खेल मंत्री से हस्तक्षेप की अपील

भारतीय खिलाड़ी ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से हस्तक्षेप की अपील की है। उनका कहना है कि खिलाड़ियों को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि चयन से जुड़े फैसले किन मानकों और प्रक्रियाओं के आधार पर लिए जाते हैं। मनिका ने कहा कि यदि किसी खिलाड़ी को बाहर किया जाता है तो उसे स्पष्ट रूप से कारण बताया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में वह अपनी कमियों पर काम कर सके।

विश्व रैंकिंग और प्रदर्शन को लेकर उठाए सवाल

मनिका बत्रा ने अपनी मौजूदा विश्व रैंकिंग का उल्लेख करते हुए कहा कि वह विश्व में 51वें स्थान पर हैं और शीर्ष-50 से बहुत मामूली अंतर से बाहर हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि कोई खिलाड़ी लगातार शीर्ष-50 के आसपास बना रहता है और किसी एक सप्ताह उसकी रैंकिंग एक स्थान नीचे चली जाती है, तो क्या उसे अचानक चयन के योग्य नहीं माना जाएगा?

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

275 बर्पीज, 200 सिट-अप्स और 150 पुश-अप्स..

तापसी पन्नू का फिटनेस मंत्र देखकर फैंस भी रह गए हैरान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने एक बार फिर अपनी दमदार फिटनेस से फैंस को प्रभावित किया है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट सेशन की झलक साझा करते हुए बताया कि एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद उनकी हालत कैसी हो गई थी। तापसी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वर्कआउट के बाद की तस्वीर शेयर की, जिसमें उनके चेहरे पर थकान के साथ संतुष्टि और मेहनत की चमक साफ नजर आ रही थी। उनकी यह पोस्ट तेजी से सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। तापसी ने बताया कि उन्होंने महज 60 मिनट में 275 बर्पीज, 200 सिट-अप्स, 150 पुश-अप्स और 150 एयर स्क्वॉट्स पूरे किए। इस कठिन वर्कआउट के बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि उनकी भावनाएं इस तस्वीर में साफ दिखाई दे रही हैं।

अभिनेत्री लंबे समय से फिटनेस को अपनी दिनचर्या का अहम हिस्सा मानती हैं और नियमित रूप से अपने वर्कआउट अपडेट्स प्रशंसकों के साथ साझा करती रहती हैं।

पहले भी शेयर कर चुकी हैं चोट की तस्वीर

यह पहली बार नहीं है जब तापसी ने अपनी फिटनेस जर्नी से जुड़ी कोई बात साझा की हो। इससे पहले 3 जून को उन्होंने अपनी पीठ पर पड़े चोट के निशानों की तस्वीर पोस्ट की थी। उस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा था कि खुरदुरी जमीन पर बैक और कोर की एक्सरसाइज एक साथ नहीं करनी चाहिए। उनका यह संदेश फिटनेस करने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण सीख भी माना गया।

फिल्मों में भी लगातार सक्रिय हैं तापसी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी पन्नू ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2010 में तेलुगु फिल्म 'झुम्मांडी नादम' से की थी। हिंदी सिनेमा में उन्होंने 2013 में डेविड धवन की फिल्म 'चश्मे बद्दूर' से कदम रखा था। हाल ही में वह निर्देशक अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' में नजर आई थीं, जो यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों पर आधारित एक कोर्टरूम ड्रामा है। तापसी जल्द ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'गांधारी' में दिखाई देंगी। यह कहानी एक ऐसी मां के संघर्ष और साहस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने मिशन को पूरा करने के लिए हर चुनौती का सामना करती है। फिल्म में अभिनेता इश्वाक सिंह भी अहम भूमिका निभाएंगे।

'हीरामंडी' फेम श्रुति बोलीं, 'कई बड़े प्रोजेक्ट्स मुझे छोड़ने पड़ते हैं, उनमें बहुत इंटीमेसी होती है'

अभिनेत्री श्रुति शर्मा ने संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी-द डायमंड बाजार' में साइमा का किरदार निभाया था। सीरीज में उनका रोल भले छोटा था, लेकिन ऑडियंस ने उनके अभिनय को काफी पसंद किया। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में श्रुति शर्मा ने 'हीरामंडी' के बाद जिंदगी में आए बदलाव, इंडस्ट्री से मिलने वाले प्रस्ताव और 'हीरामंडी 2' को लेकर खुलकर अपनी बात रखी।

श्रुति शर्मा ने कहा, 'हीरामंडी बहुत अच्छा प्रोजेक्ट रहा, उसमें बहुत अच्छा रिस्पॉन्स आया। उसके बाद मेरे पास बहुत अच्छे ऑफर्स भी आए। मैंने उसके बाद सीरीज 'मिट्टी' भी साइन की। अब 'ऑफिस ऑफिस - चली मुसद्दीलाल की बेटी' कर रही हूं। दरअसल, मैं हमेशा से बहुत क्लीन वर्क करने में विश्वास करती हूं। अगर मैं कोई काम कर रही हूं, तो मैं चाहूंगी कि मेरे पास उसमें सच में कुछ करने के लिए हो। मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हूं, जहां मुझे खुद को भी चुनौती देने का मौका मिले।' श्रुति ने बताया कि कई बार बड़े प्रोजेक्ट्स मिलने के बावजूद वह उन्हें स्वीकार नहीं कर पातीं। उन्होंने कहा 'आजकल बहुत सारे प्रोजेक्ट्स आते हैं लेकिन कई बार उनमें बहुत सारी इंटीमेसी होती है। बहुत सारी ऐसी चीजें होती हैं, जिनके साथ मैं सहज नहीं हूं, तो मुझे बहुत बार मना करना पड़ता है। मेरे लिए सिर्फ काम करना जरूरी नहीं है। मेरे लिए यह ज्यादा जरूरी है कि मैं किस तरह का काम कर रही हूं।' 'हीरामंडी' को लेकर मिले प्यार पर श्रुति शर्मा ने कहा कि यह उनके लिए उम्मीद से कहीं ज्यादा था। उन्होंने कहा 'सच कहूं तो मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मुझे इतना प्यार मिलेगा। आज भी अलग-अलग देशों से मेरे पास संदेश आते हैं। लोग पूछते हैं कि आप दोबारा कब दिखेंगी, हीरामंडी 2 कब आ रही है, हम आपको फिर कब देख पाएंगे।

मेट्रो बाजार

एआई और सतत विकास मिलकर भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर में ला सकते हैं बड़ा बदलाव : इंडस्ट्री का दावा

डालियान (चीन)। एआई आधारित टेक्नोलॉजी और सतत विकास मिलकर भारत के क्रिटिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एनुअल मीटिंग्स ऑफ द न्यू चैंपियंस या समर दावोस के दौरान आईएएनएस से बात करते हुए, ट्रांसफॉर्मिंग इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम प्रोग्राम के प्रमुख जोर्गेन सैंडस्ट्रॉम ने कहा कि भारत के पास रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबल इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के क्षेत्र में बड़े मौके हैं।

सैंडस्ट्रॉम ने बताया कि गुजरात में मुंद्रा और हैदराबाद में एनर्जी प्रोजेक्ट्स के दौरे के दौरान, उन्होंने देखा कि भारत में कई ग्रीन एनर्जी पहलों और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ऐसे पर्यावरण-अनुकूल प्रोजेक्ट्स को अलग-अलग क्षेत्रों और सेक्टरों में भी लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मुंद्रा और कच्छ रेगिस्तान के आस-पास मैंने जो प्रोजेक्ट देखे हैं, वे वर्टिकल इंटीग्रेशन पर आधारित हैं। इसमें एक तरफ से साफ-सुथरी बिजली मिलती है और दूसरी तरफ ग्रीन अमोनिया, ग्रीन स्टील या इसी तरह के दूसरे साफ-सुथरे प्रोडक्ट या सर्विस मिलती हैं। उन्होंने आगे कहा, इससे शिपिंग और ट्रांसपोर्ट को ज्यादा क्लीन बनाया जा सकता है और इंडस्ट्री का इलेक्ट्रिफिकेशन किया जा सकता है।

वैश्विक अस्थिरता में कमी से कच्चे तेल की कीमत चार महीनों के निचले स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर बुधवार को कच्चे तेल पर दबाव देखने को मिला और इससे दाम करीब चार महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता से आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होना है। सत्र में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रेंट क्रूड का दाम 0.70 प्रतिशत कम होकर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.76 डॉलर प्रति बैरल पर था। होर्मुज स्ट्रेट से तेल की आपूर्ति में लंबे समय तक रुकावट की चिंता कम होने के बाद पिछले महीने कच्चे तेल में 20 प्रतिशत से ज्यादा की भारी गिरावट देखी गई है।

बाजार के सेंटीमेंट में बदलाव ऐसे समय पर हुआ है, जब ईरान के साथ टकराव शुरू होने के बाद से खाड़ी में फंसे तेल टैंकर, रणनीतिक रूप से अहम जलमार्ग से फिर से गुजरने की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिका, ईरान और इलाके के दूसरे अहम देशों के बीच कूटनीतिक कोशिशों से भी तेल की आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को भारत के लिए एक अच्छी बात माना जा रहा है, क्योंकि भारत दुनिया में तेल आयात करने वाले सबसे बड़े देशों में से एक है। जानकारों ने कहा, ÷ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी गिरावट से भारत के लिए मैक्रो-इकोनॉमिक चुनौतियां कम हो गई हैं। रुपया स्थिर हो गया है और एफआईआई की बिकवाली भी कम होती दिख रही है। यह बाजार के लिए अच्छी बात है।÷ उन्होंने आगे कहा कि ब्रेंट क्रूड का भाव 76 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास बने रहना भू-राजनीतिक तनाव में कमी और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में प्रगति को दर्शाता है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। हालिया गिरावट के बावजूद, विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं।

कुल्लू-मनाली में पर्यटकों का सैलाब, रोज 5 हजार वाहनों की एंट्री

पतलीकूहल/कुल्लू। प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुल्लू और मनाली में ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन अपने अंतिम चरण में है, लेकिन पर्यटकों की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। मैदानी इलाकों की भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी हिमालय की ठंडी वादियों का रुख कर रहे हैं। यही कारण है कि कुल्लू घाटी में प्रतिदिन औसतन पांच हजार से अधिक वाहन प्रवेश कर रहे हैं, जिससे पर्यटन गतिविधियां चरम पर बनी हुई हैं। पर्यटन स्थलों पर रौनक, राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें

मनाली, सोलंग घाटी, अटल टनल रोहतांग, नग्गर, कसोल, मणिकर्ण, पतलीकूहल, तीर्थन और जिभी घाटी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ देखी जा रही है। सुबह से लेकर देर शाम तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं।

न्यूज विंडो

ट्रेन के इंजन में घुसा अजगर का बच्चा रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन पर देर रात उस समय हलचल मच गई, जब एक रेलवे इंजन के भीतर अजगर का एक छोटा बच्चा दिखाई दिया। इंजन की जांच के दौरान रेलकर्मियों की नजर जैसे ही सांप पर पड़ी,

उन्होंने तुरंत इसकी सूचना अधिकारियों और सर्प विशेषज्ञों को दी। महाराष्ट्र राज्य के मानद पशु कल्याण अधिकारी अभिषेक अशोक ठावरे मौके पर पहुंचे। रात करीब 1:40 बजे अजगर के बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान रेलवे संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा और ट्रेन सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। रेस्क्यू के बाद अजगर के बच्चे को सुरक्षित उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया।

उड़ान के समय इंडिगो के सामने आया एअर इंडिया का प्लेन, हादसा टला

नई दिल्ली। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर बुधवार देर शाम पार्किंग बे की ओर जाते समय एअर इंडिया का एक विमान गलत दिशा में मुड़ गया और उसी टैक्सीवे पर इंडिगो के विमान के सामने आ गया। इंडिगो ने कहा कि दोनों विमान एक-दूसरे से सुरक्षित दूरी पर रुक गए। मुंबई जाने वाला इंडिगो का विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी एअर इंडिया का विमान गलत दिशा में मुड़ गया और एक ही टैक्सीवे पर दोनों विमानों के बीच लगभग 200 मीटर की दूरी रह गई। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि हमें उस घटना की जानकारी है, जिसमें 24 जून को मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली हमारी फ्लाइट एआइ 2493 लैंडिंग के बाद अनजाने में गलत दिशा में मुड़ गई थी।

तेजस ट्रेन में परोसे गए भोजन में मिली मक्खी, एक लाख जुर्माना

नई दिल्ली। तेजस में परोसे गए भोजन में मक्खी मिलने पर यात्री की ओर से की गई शिकायत पर आइआरसीटीसी ने कड़ी कार्रवाई की है। उसने संबंधित कैटरिंग फर्म पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया और लाइसेंस रद करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यात्री अहमदाबाद-मुंबई तेजस एक्सप्रेस में यात्रा कर रहा था। अधिकारियों ने बताया, 'यात्री ने ट्रेन में भोजन के लिए कांबो लंच का विकल्प चुना था। मक्खी मिलने पर उसने इसकी शिकायत की। संबंधित कर्मचारियों ने यात्री से असुविधा के लिए माफी मांगी और उसे दूसरा भोजन देने की पेशकश की, लेकिन उसने मना कर दिया।

52वीं प्रगति बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी के सख्त निर्देश

साइबर फ्रॉड : देश के सभी राज्यों में शुरू होगी ई-जीरो एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में बढ़ रहे साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पीएम मोदी ने 52वीं प्रगति मीटिंग की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने साइबर फ्रॉड पर नकेल कसने के लिए ई-जीरो एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। दरअसल, पीएम मोदी के नेतृत्व में हुई इस बैठक का मुख्य फोकस डिजिटल सिक्योरिटी को सख्त बनाना था। पीएम मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी से इस मामले पर चर्चा करें ताकि ई-जीरो एफआईआर को देश भर में तेजी से लागू किया जा सके। सभी राज्यों के मुख्य सचिवों की उपस्थिति में हुई प्रगति की मीटिंग में साइबर अपराध और डिजिटल गिरफ्तारी से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वे ई-जीरो एफआईआर की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इन एफआईआर से जांचकर्ताओं को उन अपराधियों के खिलाफ तुरंत जांच शुरू करने में मदद मिलती है, जिनका सुराग जल्द ही गायब हो सकता है।

धोखाधड़ी से बचेंगे लोग

गौरतलब है कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा नई ई-जीरो एफआईआर पहल की शुरुआत की गई है। यह भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (एनसीआरपी) की एक पहल है जो सत्यापित, उच्च मूल्य वाले साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतों को स्वत: जीरो एफआईआर में बदल देती है। इससे पीड़ितों को न्यायिक बाधाओं से बचने और धोखाधड़ी वाले लेनदेन की जांच और अवरोधन में तेजी लाने में मदद मिलती है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पीएम मोदी ने नागरिकों को धोखा देने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के बढ़ते दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की और इस बात पर जोर दिया कि ऐसे मामलों में सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा समन्वित, संवेदनशील और समयबद्ध तरीके से कार्रवाई की आवश्यकता है। पीएम मोदी ने अधिकारियों को स्पष्ट जिम्मेदारी लेने, त्वरित कार्रवाई करने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों, बैंकों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया।

चार जुलाई को जयपुर मेट्रो फेज-2 का उदघाटन करेंगे पीएम

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर के लिए 4 जुलाई 2026 का दिन स्वर्णिम अक्षरों में जुड़ जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिन शहर के यातायात को अधिक सुगम बनाने के लिए जयपुर मेट्रो फेज-2 की हरी झंडी दिखाएंगे। इस संबंध में प्रदेश सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि कर दी गई है। लगभग 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाला यह प्रोजेक्ट जयपुर की ट्रैफिक व्यवस्था को पूरी तरह बदल देगा। मेट्रो के सेकंड फेज को ऑरेंज लाइन नाम दिया गया है, जो मुख्य रूप से उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर को जोड़ेगा और चार चरणों में पूरा होगा। जयपुर मेट्रो फेज टू 2029 और 2030 के बीच पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा।

होर्मुज से भारत के लिए बड़ी राहत

30 मालवाहक जहाज सुरक्षित निकले, 26 अभी भी कतार में

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट से भारत आ रहे 30 जहाजों ने अब तक होर्मुज को सुरक्षित रूप से पार कर लिया है, जबकि 26 जहाज इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने के लिए अभी भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, शिपिंग मंत्रालय के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। अधिकारियों के मुताबिक, जलडमरूमध्य पार कर चुके 30 जहाजों में से लगभग आधे जहाजों पर एलपीजी और एलएनजी लदा हुआ था। इसके अलावा, आठ जहाजों पर थोक माल मौजूद था और सात कच्चे तेल के टैंकर थे। अधिकारियों ने बताया कि 1 मार्च से 17 जून के बीच 19 जहाजों ने इस समुद्री मार्ग को पार किया था। वहीं, ईरान और अमेरिका के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद से 11 जहाजों ने जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से पार किया है। भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच चुके या उनकी ओर बढ़ रहे इन 30 जहाजों में से 17 विदेशी झंडे वाले जहाज हैं, जिनमें सबसे अधिक पांच जहाज मार्शल आइलैंड्स के झंडे तले चल रहे हैं। खबरों के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम फारस की खाड़ी में अभी भी भारतीय हितों से जुड़े 26 जहाज मौजूद हैं। इनमें भारतीय झंडे वाले और भारत आ रहे विदेशी झंडे वाले, दोनों तरह के जहाज शामिल हैं। इन 26 जहाजों में से तीन में ऊर्जा उत्पाद, 10 में उर्वरक और बाकी 13 जहाजों में अन्य प्रकार का माल लदा हुआ है। होर्मुज जलडमरूमध्य एक बेहद महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग है, जहां से दुनिया भर की कुल ऊर्जा आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। भारत के लिए यह मार्ग विशेष रूप से मायने रखता है, क्योंकि एलएनजी और एलपीजी की खरीद के लिए उसके प्रमुख व्यापारिक भागीदार खाड़ी देशों में ही स्थित हैं।

राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में जताया खेद कोर्ट ने कार्तिकेय चौहान से मांगा जवाब

जबलपुर, एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह के बीच रहे मानहानि का केस मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में चल रहा है, जिसमें आज उस समय बड़ा मोड़ आया, जब राहुल गांधी की तरफ से खेद व्यक्त किया गया। उनकी तरफ से हाईकोर्ट में एक लिखित आवेदन प्रस्तुत कर विवादित बयान पर सफाई दी गई है। उनके वकील ने कोर्ट के सामने स्पष्ट किया कि वह बयान पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के परिवार के खिलाफ नहीं था, बल्कि इसे लेकर केवल एक गलतफहमी हुई थी। राहुल गांधी की इस

सफाई और लिखित आवेदन पर संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता और शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान से जवाब तलब किया है। कोर्ट ने कार्तिकेय चौहान से इस आवेदन पर अपनी लिखित प्रतिक्रिया देने को कहा है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट आज (गुरुवार) ही अपना फैसला सुना सकता है।

पासपोर्ट सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय यात्रा का दस्तावेज है, नागरिकता का सबूत नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

पासपोर्ट को नागरिकता का अंतिम प्रमाण मानने और सरकारी योजनाओं में इसके इस्तेमाल को लेकर बढ़ती भ्रांति के बीच विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि भारतीय पासपोर्ट सिर्फ एक ट्रैवल डॉक्यूमेंट है। यह नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जाना चाहिए। सरकार ने पासपोर्ट और मोबिलिटी इकोसिस्टम पर विस्तृत ब्रीफिंग के दौरान यह स्पष्टीकरण दिया। अधिकारियों ने जोर दिया कि पासपोर्ट भारतीय नागरिकों को जारी किया जाता है, लेकिन इसका मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय यात्रा को आसान बनाना और विदेश में पहचान स्थापित करना है। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि पासपोर्ट भारतीय नागरिकों को जारी किए जाते हैं, लेकिन इस दस्तावेज का प्राथमिक उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय यात्रा को सक्षम बनाना और विदेश में पहचान स्थापित करना है। इससे पहले भी आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र सहित अन्य दस्तावेजों को नागरिकता के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल करने पर सवाल उठाए जा चुके हैं। 14वां पासपोर्ट सेवा दिवस मनाए जाने के अवसर पर विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि सरकार पासपोर्ट सेवाओं को सुगम बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। पिछले एक दशक में पासपोर्ट नेटवर्क छह गुना बढ़ चुका है। देशभर में अब 500 से अधिक पासपोर्ट केंद्र कार्यरत हैं। अकेले 2025 में 1.5 करोड़ पासपोर्ट तथा संबंधित सेवाएं प्रदान की गई हैं। इनमें से केवल पासपोर्टों की संख्या 1.39 करोड़ रही।

मेट्रो एंकर एनसीईआरटी ने शिक्षा नीति में किया बदलाव, छात्रों को मीडिया की भूमिका भी पढ़ाई जाएगी

स्कूलों में 9वीं कक्षा से ही पढ़ाया जाएगा 'इमरजेंसी' का इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय लोकतंत्र के काले अध्याय 'आपातकाल' के बारे में स्कूलों में अब नौवीं कक्षा से ही बच्चों को पढ़ने को मिलेगा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने नौवीं कक्षा के लिए जारी सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक में आपातकाल को प्रमुखता से जगह दी है। अब तक इसे स्कूलों में 11वीं और 12वीं कक्षा में राजनीतिक विज्ञान विषय में पढ़ाया जाता था। देश में 25 जून, 1975 की रात में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाने का एलान किया था और गुरुवार को इसकी बरसी भी है। आपातकाल 21 महीने लागू रहा था। पाठ्यपुस्तक में

छात्रों को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका भी पढ़ाई जाएगी। एनसीईआरटी ने सामाजिक विज्ञान की अपनी नई पाठ्यपुस्तक 'अंडरस्टैंडिंग सोसायटी : इंडिया एंड बियांड' में लोकतंत्र के सामने चुनौतियों से जुड़े पाठ में पेज नंबर-155 पर आपातकाल को जगह दी है। इसमें बताया गया है कि यह कब लगाया गया था और कब तक लागू था। आम लोगों के मौलिक अधिकारों को किस तरह से खत्म किया गया था और इस दौरान चलाए गए जयप्रकाश नारायण के आंदोलन का भी इसमें जिक्र है। यह पाठ्यपुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) व राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप तैयार की गई है। इस नई पुस्तक में भारतीय सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत आदि को अधिक महत्व दिया गया है। वहीं यूरोप-केंद्रित विषयवस्तु को सीमित कर दिया गया है। इतिहास में प्रमुखता से पढ़ाई जाने वाली फ्रांसीसी क्रांति, यूरोप में समाजवाद और रूसी क्रांति, नाजीवाद व हिटलर का उदय, उपनिवेशवाद जैसे अध्याय हटा दिए गए हैं।

पुस्तक में मिस्र और चीन की प्राचीन सभ्यता जैसे विषय भी शामिल

नई पाठ्यपुस्तक में छात्रों को जो पढ़ने को मिलेगा, उनमें से हड़प्पा, मेसोपोटामिया, मिस्र, चीन की प्राचीन सभ्यता जैसे विषय शामिल हैं। जिसमें उन्हें इन प्राचीन सभ्यताओं का कालक्रम और भौगोलिक विस्तार पढ़ने को मिलेगा। इसके साथ ही सुमेरियन सभ्यता की सिंचाई व्यवस्था, निर्माण कार्य और सामाजिक संगठन के बारे में जानने का मौका मिलेगा। इस पाठ्यपुस्तक के जरिये छात्र सिर्फ तथ्यों तक सीमित नहीं रहेंगे; बल्कि समाज, इतिहास, भूगोल एवं लोकतंत्र के व्यवहारिक दृष्टिकोण को भी समझेंगे। इसमें छात्रों को भारतीय ज्ञान परंपरा को दैनिक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से समझाने की कोशिश की गई है। इसमें पंचमहाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) की अवधारणा के जरिये बताया गया है कि प्रकृति और मानव जीवन एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 35 सिम के साथ 18 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

साइबर सेल पुलिस ने निर्यातकों से धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर का पता लगाकर 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह विदेशी खरीदार और निर्यात प्रमाण पत्र दिलाने के नाम पर ठगी करता था। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर मिली शिकायतों के विश्लेषण से यह मामला सामने आया। INDIA2EXPORTS.COM के जरिये फर्जी सेवाएं दी जा रही थीं। शिकायतकर्ताओं को विदेशी खरीदारों से ऑर्डर दिलाने का वादा किया जाता था। उनसे पहले 5,000 रुपए पंजीकरण शुल्क लिया जाता था। फिर 19,780 रुपए सेवा पैकेज के

लिए मांगे जाते थे। ग्लोबल जीएपी और अन्य प्रमाण पत्रों के लिए 41,300 रुपए अतिरिक्त लिए जाते थे। आरोपी अंतर्राष्ट्रीय व्हाट्सएप नंबरों का इस्तेमाल कर विदेशी खरीदार बनते थे। वे बनावटी बातचीत दिखाकर पीड़ितों का भरोसा जीतते थे। भुगतान मिलने के बाद वे संपर्क तोड़ देते थे। अब तक कुल 19 शिकायतों में 10,57,780 रुपए की धोखाधड़ी हुई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564